संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

दैनिक दैनन्दिनी.

e-paper
dainandini.in

◆ वर्ष-14 ◆अंक-166 ◆ रायपुर, मंगलवार 14 नवंबर 2023 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2010/34274 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

आज का पंचांग

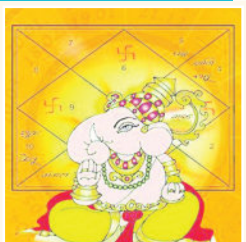

तिथि : प्रतिपदा
नक्षत्र : अनुराधा
प्रथम : करण
द्वितिय : करण
पक्ष : शुक्ल
वार : मंगलवार
योग : शोभना
सूर्योदय :06:46
सूर्यास्त :17:33
चंद्रमा :वृश्चिक
राहुकाल:14:44-16:04
विक्रमी संवत् : 2080
शक सम्वत् :1944
मास : कार्तिक
शुभ मुहूर्त : अभिजीत : 11:43-12:26

कांग्रेस सरकार ने पीएससी में घोटाला करके युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया : पीएम मोदी

महासमुंद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को महासमुंद में विशाल आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार का आना और 30 टका वाले कक्का का जाना तय है। कांग्रेस ने ढाई ढाई साल का एग्रीमेंट किया था। भूपेश बघेल ने लूट के पैसों से आलाकमान से सौदा कर ढाई साल और खरीद लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भूपेश बघेल के नाते रिश्तेदार ने सुपर सीएम बनकर छत्तीसगढ़ को बर्बाद कर दिया। छत्तीसगढ़ के लोग ऐसे भ्रष्टाचारियों को सबक सिखाएंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीब विरोधी कांग्रेस सरकार ने गरीबों का पक्का मकान छीन लिया। भाजपा ने देश के गरीबों को 4 करोड़ मकान दिए। कांग्रेस की सरकार ने छत्तीसगढ़ के गरीबों को मकान नहीं मिलने दिए। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचारी अफ़सर जेल में बंद हैं और उन्हें जमानत तक नहीं मिल रही है। ये सिर्फ भ्रष्टाचार का मामला नहीं है।

बहुत बड़ा अपराध है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यहां मौजूद लोगों से कहना चाहूंगा कि 508 करोड़ टाइप कीजिए महादेव सट्टा एप दिख जाएगा।पूरी दुनिया आज जान चुकी हैं। इन्होंने छत्तीसगढ़ को बदनाम कर दिया। 17 तारीख को कमल फूल पर बटन दबाकर भाजपा की सरकार बनाएं और भ्रष्टाचारियों की सरकार को उखाड़ कर फेंक दें। आप सभी को भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह का न्यौता देने आया हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने पीएससी में घोटाला करके युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। अगर कांग्रेस को रोका नहीं गया तो इनके हौसले और बढ़ जायेंगे। पीएससी को कांग्रेस का अड्डा बना देंगे। लोग कहने लगे हैं कि इन्होंने छत्तीसगढ़ से लूटकर दिल्ली में अपने आकाओं को भेजा है।

कांग्रेस ने सबको ठगा

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने सभी को ठगा है। ओबीसी समाज को कभी भी सैवैधानिक दर्जा नहीं दिया। आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ सेवाओं का बुरा हाल था। भाजपा ने पोषण आहार अभियान चलाया और राशन, चना मुफ्त में दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल खुद चुनाव हार रहे हैं। पहले चरण के मतदान में कांग्रेस का जाना तय हो गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने छत्तीसगढ़ बनाया है, भाजपा ही संवारेगी। केंद्र की योजनाओं को कांग्रेस की सरकार ने रोका और छत्तीसगढ़ की जनता को केंद्र की योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिलने दिया।

मतदान दलों का विशेष प्रशिक्षण 15 को

रायपुर। मतदान दलों का विशेष प्रशिक्षण 15 नवंबर को होगा। इसमें वे अधिकारी कर्मचारी शामिल होंगे जो 8 और 9 नवंबर में जो अधिकारी एवं कर्मचारी किन्हीं कारणों से उपस्थित नहीं हो सके थे। यह पंडित रविशंकर यूनिवर्सिटी में 9.30 बजे से आयोजित किया जा रहा है।

भारी मात्रा में नकली मतपत्र जब्त

अम्बिकापुर। जिले में 17 नवंबर को विधानसभा निर्वाचन होने हैं। इसके मद्देनजर जिले में फ्लाइंग स्कवाड दल भी अधिक सक्रिय हो गए हैं। शनिवार को अम्बिकापुर शहर में प्रिंटिंग प्रेसों में जांच करते हुए अलग अलग फ्लाइंग स्कवाड ने प्रभावी कार्रवाईयों को अंजाम दिया है। इसमें गोयल प्रिंटर्स से बिना अनुज्ञा के प्रत्याशियों के छपे नकली मतपत्र और महतारी वंदन योजना में पंजीयन हेतु फार्म जप्त किए गए। इसी तरह आकृति प्रिंटर्स चोपड़ापारा में बताई गई संख्या से ज्यादा संख्या में छपी प्रचार सामग्री प्राप्त हुई। इसी तरह बिना अनुमति के प्रचार सामग्री का परिवहन पर भी कार्रवाई की गई। शनिवार को अपराह्न तीन बजे के करीब गोयल प्रिंटर्स बाबूपारा के संचालक के स्वयं के मकान पर संचालित गोयल प्रिंटर्स का औचक निरीक्षण एफएसटी दल क्रमांक 04 द्वारा की गई। इनमें सीतापुर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक11 के आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी प्रियंका का झाड़ूछाप के 5000 पाम्पलेट, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 09 लुण्ड्रा के आप दल के प्रत्याशी अलेक्जेण्डर केरकेट्टा का झाड़ूछाप के 5000 पाम्पलेट, जो एक ही पृष्ट में जुड़ा हुआ नकली मतपत्र था, सक्षम अनुमति नहीं होने से जब्त किया गया।

17 तारीख की लड़ाई छत्तीसगढ़ की जनता की है : सीएम बघेल

रायगढ़। ये 17 नवम्बर की लड़ाई प्रकाश नायक या भूपेश बघेल की नहीं है, ये लड़ाई छत्तीसगढ़ के लोगों की है, हर आदमी भूपेश बघेल बन जाओ और इस लड़ाई को अंजाम दो और छत्तीसगढ़ की अस्मिता को बचाकर रखो, हर कोई प्रकाश नायक बन जाओ आप कांग्रेस को वोट दीजिये जिससे आपके प्रदेश की अस्मिता और संस्कृति बची रहे। यह बात छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोमवार को रायगढ़ के पुसौर बोरोडिपा में आमसभा को सम्बोधित करते हुए कही है।

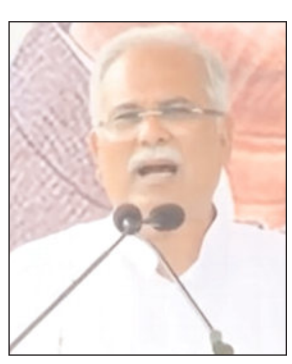

आगे सीएम बघेल ने कहा कि, भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ियों को क्या दे रही है वो तो बस चावल देकर सारी खदानों को बड़े-बड़े उद्योगपतियों को दे रही है और पांच साल में हमारी सरकार में बेरोजगार के खाते में पैसे जाते है, महिलाओं, किसानों, भूमिहीन मजदूरों, पशुपालकों सभी के खातों में पैसे जाते है, इससे पहले नहीं आते थे इसलिए अपने भविष्य को सुरक्षति करने के लिए पंजा छाप पर बटन दबाइये। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ईडी-आईटी की कार्रवाई को लेकर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सलेक्टिव कार्रवाई न करें पहले रमन सिंह, हेमंता बिश्व सरमा, अजीत पवार के खिलाफ कार्रवाई करें।

जश प्रण दीपोत्सव से मतदाताओं को किया गया जागरूक

जशपुरनगर। जश- प्रण मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत दीपावली पर जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों तथा शिक्षकों ने दीयों, फूलों तथा रंगोली के माध्यम से आगामी विधान सभा निर्वाचन 2023 से संबंधित विभिन्न प्रकार के मतदाता जागरूकता के नारे लिख कर मरदाताओं को मतदान अवश्य करने का संदेश दिया। सभी लोगों ने अपने परिवार के लोगों को तथा अपने पड़ोसियों को मतदान करने संबंधित संदेश देने के लिए जो संदेश दीयों और रंगोली से बनाए गए उनमें से प्रमुख संदेश हैं - जश- प्रण दीपावली, 17 नवंबर को मतदान अवश्य करें,जशपुर है तैयार,

चुनई तिहार, वोट देना जरूरी है, वोट शत प्रतिशत, 5 डेस टू गो,वोट हार्मनी डेमोक्रेसी इत्यादि। जशपुर जिले के तीनों विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए दीपावली त्योहार के अवसर पर जश- प्रण दीपोत्सव पूरे जिले में उत्साह के साथ मनाया गया।

चुनाव ड्यूटी में तैनात गाड़ियों की होगी हाईटेक निगरानी

बेमेतरा। सेक्टर अधिकारी सहित मतदान दलों को पोलिंग बूथ तक सुरक्षित आने-जाने हेतु अधिगृहित वाहनों में ग्लोबल पोजिशन सिस्टम (जीपीएस) सिस्टम लगाया गया हैं। जिससे उनके लोकेशन की लगातार मॉनिटरिंग होगी। ज़िला परिवहन अधिकारी अरविंद भगत ने बताया कि सेक्टर अधिकारी एवं मतदान दलों की अधिगृहित 260 वाहनों में जीपीएस लगाया जाना है।

अब तक सेक्टर अधिकारी 72 एलएमवी (छोटी गाड़ी) एवं मतदान दल हेतु 175 बस वाहनों में जीपीएस लगाया गया। उसके अलावा 3 ट्रकों में भी जीपीएस लगाया गया है।

विधानसभा चुनाव के पहले चरण में वायुसेना ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

चुनाव सफल बनने भरी 404 उड़ानें, मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की सराहना

रायपुर। राज्य के पहले चरण के चुनाव के दौरान नक्सल प्रभावित बस्तर में मतदान कर्मियों को ले जाने के लिए भारतीय वायु सेना ने छह दिनों तक आठ एमआई-17 हेलिकॉप्टरों के साथ 404 उड़ानें भरीं। पहले चरण के चुनाव के दौरान नक्सल प्रभावित बस्तर डिवीजन में वोटिंग मशीनों के साथ मतदान दलों को पहुंचाया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी इस बात की जानकारी दी है।

बस्तर संभाग के बारह निर्वाचन क्षेत्र छत्तीसगढ़ के उन 20 विधानसभा क्षेत्रों में से थे, जहां 7 नवंबर को पहले चरण में मतदान

हुआ था। इन 20 सीटों पर 78 प्रतिशत का उच्च मतदान दर्ज किया गया था। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा, ÷सभी चुनौतियों को पार करते हुए, भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने आठ एमआई 17 के साथ 404 उड़ानें भरीं, 853 मतदान दल के सदस्यों को 43 स्थानों से सुरक्षित रूप से पहुंचाया, जिससे एक सफल चुनावी प्रक्रिया संभव हो सकी। भारतीय वायु सेना को सलाम।÷

पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि 7 नवंबर को हुए मतदान के लिए 4 से 6 नवंबर तक बस्तर संभाग के पांच जिलों सुकमा, बीजापुर, कांकेर, दंतेवाड़ा और नारायणपुर के 156 मतदान केंद्रों पर 860 से अधिक मतदान दल के सदस्यों को एमआई-17 हेलीकॉप्टर के माध्यम से भेजा गया था।

एक नजर

मतदान दलों को सामग्री वितरण 16 को

बिलासपुर। जिले में 17 नवम्बर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मतदान दलों को सामग्री वितरण का कार्य 16 नवम्बर को कोनी स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर से सवेरे 8 बजे से शुरू होगा। सामग्री वितरण एवं वापसी के लिए बैरिकेडिंग सहित पूरी तैयारियां हो चुकी है। आज प्रार्थना सभाभवन में लगभग 300 कर्मचारियों को मतदान सामग्री वितरण एवं सामग्री वापसी के लिए प्रशिक्षण दिया गया। प्रत्येक विधानसभावार 20 मतदान केंद्रों पर सामग्री वितरण एवं वापसी के लिए एक काउंटर बनाया गया है। इस प्रकार 6 विधानसभाओं के लिए कुल 76 कांउटर बनाए गए है। निर्वाचन सामग्री वापसी की कार्यवाही 17 नवम्बर को मतदान संपन्न होने के पश्चात शुरू होगी। वितरण की जाने वाली सभी सामग्रियों की लिस्टिंग उचित तरीके से करने के निर्देश प्रशिक्षण में दिए गए। नगर निगम कमिश्नर एवं प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी श्री कुणाल दुदावत ने व्यवस्थित मतदान के लिए दलों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और मुस्तैदी से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदान से सबंधित पूरी प्रक्रिया को बेहतर तरीके से समझते हुए अपने कार्यों को पूरा करना आपकी जवाबदेही है।

प्रशिक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवकुमार बनर्जी ने निर्वाचन सामग्री वितरण एवं वापस लेने के दौरान ड्यूटी देने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशिक्षण में जिले के मास्टर ट्रेनर श्री एमटी आलम ने कहा कि मतदान दल के सदस्यों का ड्यूटी आदेश देखकर, सत्यापन करके ही उन्हें मतदान सामग्री दी जाये। उन्होंने मतदान सामग्री में व्हीव्हीपेट, कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट, बस्ता, ग्रीन पेपर सील, पिंक पेपर सील, निर्वाचक नामावली की चिन्हित प्रति, स्पेशल टैग एवं ब्रेल मतपत्र, वोटिंग कम्पार्टमेंट आदि सामग्री सूची सहित दी जाये तथा मिलान करके वापस सामग्री ली जाये। मास्टर ट्रेनर ने कहा कि मतदान दलों को वितरण की जाने वाली सामग्री के विषय स्पष्ट जानकारी नाम सहित होना चाहिए। इसके साथ ही दलीय भावना से इस महत्वपूर्ण कार्य का संपादन करना चाहिए। सभी सदस्य अपने दायित्वों का निर्वहन धैर्य पूर्वक करें।

मास्टर ट्रेनर ने सामग्री वितरण करने वाले ड्यूटी स्टाफ को सामान देने और मतदान के बाद सामान जमा करते समय ध्यान रखने वाली बातों को विस्तार से समझाया। प्रशिक्षण में सभी 6 विधानसभा के संबंधित आरओ एवं अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

एसएसटी टीम की बड़ी कार्रवाई

बिलासपुर। दीवाली के दौरान एसएसटी टीम ने 14.50 लाख रुपए से ज्यादा की संदिग्ध रकम ले जाते हुए पकड़ी है। शहर के मोपका चौक के आगे चिल्हाटी मोड़ पर बनाये गये चेक पोस्ट पर चेकिंग के दौरान मन्नाडोल सिरगिट्टी निवासी संजय साहू से 7 लाख रूपए नकद की बरामदगी की गई। इनमें 500 रूपए के 14 बण्डल शामिल है। इसी प्रकार गुरूनानक चौक तोरवा में बनाये गये जांच चौकी में जांच के दौरान मसानगंज निवासी श्री अंशुमन बाजपेयी से 7 लाख 50 हजार रूपए नकद राशि की बरामद की गई है। संबंधितों ने इन रुपयों का कोई सबूत अथवा दस्तावेज नहीं दे पाए। इसलिए रकम जब्त कर ली गई है।

चुनाव आयोग की होम वोटिंग सुविधा हुई सफल

बिलासपुर, 13 नवम्बर 2023/चुनाव आयोग की होम वोटिंग की सुविधा जिले में काफी सफल हुई है। पंजीकृत लोगों में से 98 प्रतिशत बुजुर्गों एवं दिव्यांग मतदाताओं ने अपने घर में मताधिकार का उपयोग किया है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने पहली बार 80 वर्ष या इससे अधिक उम्र वाले मतदाताओं और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाताओं को इस बार अपने घर में डाकमत पत्र के जरिए वोटिंग की सुविधा दी है। जिले में पंजीकृत 567 में से 545 बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं ने इस सुविधा का लाभ उठाते हुए घर बैठे मतदान किया है। इस दौरान पंजीकरण कराने के बाद 12 बुजुर्गजनों का निधन भी हो गया। घर पर ही मतदान करने की सुविधा मिलने पर सभी ने गर्व महसूस करते हुए निर्वाचन आयोग के प्रति आभार जताया है। जिला निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जिले में 567 बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं ने पोस्टल बैलेट के जरिए घर बैठे मतदान का विकल्प लिया था।

हमने किसानों का कर्ज माफ किया और 2640 समर्थन मूल्य भी दिया : भूपेश

गरियाबंद। जिले के बिंद्रानवागढ़ विधानसभा विशाल जनसंख्या वाले गांव झाखरपर मे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बिंद्रा ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 5 साल पूर्व राहुल गांधी के कहे अनुसार किसानों का कर्ज माफ किया था और धान का समर्थन मूल्य 25 सौ देने की बात कही थी आज हम 2640 रुपए में धान खरीद रहे हैं और किसानों का हजारों करोड़ का कर्ज माफ किया है आज हम फिर वायदा कर रहे हैं कि अब हम धान 32 सौ में खरीदेंगे और किसानों का कर्ज माफ करेंगे इसी तरह महिला स्वा सहायता समूह की महिलाओं के कर्ज को भी हम माफ करेंगे यह हमारा वायदा है और भूपेश जो कहता है वह करता है कांग्रेस की सरकार कभी झूठ नहीं बोलती . गरियाबंद ।जिले के बिंद्रानवागढ़ विधानसभा विशाल जनसंख्या वाले गांव झाखरपर मे बिंद्रा नवागढ़ के कांग्रेस प्रत्याशी छनक लाल ध्रुव ने कहा कि बिंद्रा नवागढ़ में अब पंजा लहराना है और कांग्रेस को विजय बनाना है भूपेश है तो भरोसा है यह पूरी तरह से कांग्रेस के हमारे महान नेताओं ने सिद्ध कर दिया है सिद्ध कर दिया है मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बिंद्रा ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 5 साल पूर्व राहुल गांधी के कहे अनुसार किसानों का कर्ज माफ किया था और धान का समर्थन मूल्य 25 सौ देने की बात कही थी आज हम 2640 रुपए में धान खरीद रहे हैं और किसानों का हजारों करोड़ का कर्ज माफ किया है आज हम फिर वायदा कर रहे हैं कि अब हम धान 32 सौ में खरीदेंगे और किसानों का कर्ज माफ करेंगे इसी तरह महिला स्वा सहायता समूह की महिलाओं के कर्ज को भी हम माफ करेंगे यह हमारा वायदा है और भूपेश जो कहता है वह करता है कांग्रेस की सरकार कभी झूठ नहीं बोलती यहां काम करूंगा इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा ÷भूपेश है तो भरोसा है÷ 15 साल अपने भाजपा का और 5 साल आपने हमारा भी देखा है आप तुलना कर लीजिए कि कौन सही है और कौन गलत है किसने आप लोगों का कर्ज माफ किया किसने आपको 2500 प्रति क्विंटल के बदले 2640 में धान खरीद ।बल्कि भारतीय जनता पार्टी ने तो बोनस देने का वादा करके बोनस नहीं दिया किसानो को 21 सौ रुपया धान समर्थन मूल्य पर खरीदने की बात कही थी और नहीं खरीदा । किसने और कौन सी 5 साल की सरकार ने आपको बोनस का वादा किया है और 5 साल पूरा बोनस दिया ।यह रमन सिंह की सरकार नहीं है जो झूठ बोलकर काम निकलने की कोशिश करती है 35 किलो चावल देने की बात कह 7 किलो चावल थमा दिया ।राशन कार्ड बनाकर सत्ता में बैठे और फिर उसे पुनर्निरस्त कर दिया उनकी कोई गारंटी नहीं है ।कांग्रेस की गारंटी है कांग्रेस जो कहती है वह करती है इनका तो काम है ÷राम राम जपना पराया माल अपना ÷ऐसा सुनने में आ रहा है कि भाजपा के लोग अपने कार्यालय में बैठकर फॉर्म भरवा रहे है क्या भाजपा कार्यालय से सरकार का कर्ज माफ हो जाएगा यह कतई संभव नहीं है इन पर भरोसा करना बहुत बड़ी गलती होगी ।कांग्रेस सरकार को अपने भरोसा कर 5 साल दिया था इस बार भी आप भरोसा करके कांग्रेस को जिताइए और कांग्रेस आपको अपना सारे वायदा पूरा करेगा यह मैं कह रहा हूं भूपेश बघेल। देवभोग के भेंट मुलाकात के दौरान आप लोगों ने 20 क्विंटल प्रति एकड धान खरीदी करने की मांग की थी हमने उसे अपने घोषणा पत्र में लागू कर दिया ।यहां सिंचाई बांध की मांग हो रही है हम आप लोगों से वायदा करते हैं कि किसानों की हर मांग विशेष कर बराई सिंचाई सुविधा हम तत्काल उपलब्ध करवाएंगे ।

जनरल आब्जर्वर ने किया मतदान केन्द्र का निरीक्षण

महासमुंद

सोमवार को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त जनरल आब्जर्वर (सामान्य प्रेक्षक) श्री जफर मलिक (भा.प्र.से.) के द्वारा बसना विधानसभा क्षेत्र का निरीक्षण किया जिसमें मतदान केन्द्र कन्याशाला भवन पिथौरा, कनिष्ट बुनियादी शाला पिथौरा, मिडिल स्कूल पिथौरा, शासकीय रंजित कृषि उच्चतर माध्यमिक शाला पिथौरा एवं शासकीय प्राथमिक शाला ग्राम अर्जुनी शासकीय प्राथमिक शाला ग्राम राजाडेरा, शासकीय प्राथमिक शाला ग्राम खुशरूपाली का निरीक्षण किया गया जिसमें आने वाले मतदाताओं के आवागमन सुव्यवस्थित करने हेतु निर्देश दिया, उपस्थित नायाब तहसीलदार पिथौरा बसना को आने वाले दिव्यांग मतदाता के लिए रैम्प बनाने एवं व्हील चेयर रखने का निर्देश दिया गया, भ्रमण के दौरान लाइजनिंग आफिसर श्री अनिल भास्करन (उप वनमण्डलाधिकारी सरायपाली). नायब तहसीलदार पिथौरा प्रकृति सिंग, ए.बी.ई.ओ. द्वारका पटेल, क्षेत्र के पटवारी, बी.एल.ओ. आदि मौजूद थे।

निर्वाचन ड्यूटी में तैनात अधिकारी कर्मचारी डाक मतपत्र के माध्यम कर रहे मतदान

बेमेतरा

विधानसभा सामान्य निर्वाचन- 2023 की तैयारियों को जहां अंतिम रूप दिया जा रहा है, वहीं निर्वाचन ड्यूटी में लगे 3500 से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों ने बीते 9 नवंबर से प्रशिक्षण केन्द्रो में बने सुविधा केंद्रों पर अपना वोट डालना शुरू कर दिए है। विधानसभा निर्वाचन के लिए मतदान दलों मे नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी, सेक्टर अधिकारी, मतदान दल,बीएलओ, ड्रायवर, डाक मतपत्र से अपना मतदान कर सकेंगे। इसके लिए ज़िला स्तर पर प्रशिक्षण केन्द्रो के साथ साथ कलेक्ट्रेट के कक्ष क्रमांक 6 में भी मतदान सुविधा केंद्र बनाया गया हैं ।

पहले दिन 9 नवंबर को जिला स्तरीय सुविधा केंद्र में और प्रशिक्षण सुविधा केंद्र में 1034 कर्मियों ने डाक मत पत्र से मतदान किया 7 वही ज़िला स्तरीय सुविधा केंद्र मैं 767 कर्मियों ने अपने मताधिकार का डाक मत पत्र के माध्यम से प्रयोग किया 7 7 विधानसभा निर्वाचन ड्यूटी में लगे 3395 अधिकारी कर्मचारी ने निर्धारित प्रारूप में डाक मत पत्र के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। इनमें से 10 नवंबर तक 1801 मतदान मतदान किया है, 11 नवंबर को 702 अधिकारी-कर्मचारियों ने मतदान किया । आज 13 नवम्बर को 190 कर्मियों ने डाक मतपत्र से मतदान किया । इस तरह अब तक कुल 2693 निर्वाचन ड्यूटी में तैनात अधिकारी-कर्मचारियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। शेष कल 14 नवंबर को मतदान करेंगे 7 अपर कलेक्टर श्री सी.एल मार्कण्डेय ने बताया कि मतदान सुबह 9ः00 बजे से 5ः00 बजे तक मतदान हो रहा है। कल 14 नवंबर को डाक मतपत्र से मतदान का आख़िरी दिन है।

आगामी मतदान के लिए मतदान केंद्रों में सुनिश्चित की गई व्यवस्थाओं का लिया जायजा

गरियाबंद

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिले में विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए जिले के दोनों विधानसभाओं के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक सुश्री अंजू चौधरी ने आज राजिम विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों और जांच नाका का निरीक्षण किया। उन्होंने फिंगेश्वर, कोमा और जामगाँव के मतदान केंद्रों में पहुकर मतदान के लिए विकसित की गई सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही जामगांव में बनाए गए चेकपोस्ट में स्थैतिक निगरानी दल द्वारा वाहनों की किए जा रहे चेकिंग का भी अवलोकन किया। प्रेक्षक सुश्री चौधरी ने सक्रियता के साथ वाहनों की चेकिंग कर अवैध सामग्रियों के परिवहन पर रोक लगाने और आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

इस दौरान प्रेक्षक ने कहा कि मतदान केंद्रों में सभी सुविधाएं जैसे बिजली, पानी, शौचालय आदि क्रियाशील रहे, जिससे मतदाताओं को मतदान करने में सहूलियत हो। इस दौरान रिटर्निंग ऑफिसर एवं एसडीएम राजिम श्री धनंजय नेताम सहित बूथ लेवल अधिकारीगण मौजूद रहे। प्रेक्षक सुश्री अंजू चौधरी ने राजिम क्षेत्र के मतदान केंद्रों में पहुंचकर सफलतापूर्वक मतदान संपन्न कराने के लिए मतदान केंद्रों में सुनिश्चित की गई आवश्यक व्यवस्थाओं जैसे रैम्प, लाईट, पेयजल एवं शौचालय सहित अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने मतदान केन्द्रों में मतदाताओं की जानकारी हेतु किये गये दीवाल लेखन, दिव्यांग मतदाताओं हेतु बनाये गये रैम्प तथा मतदान केन्द्रों में उपलब्ध अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया और मतदान केन्द्रों में आवश्यकतानुसार सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान प्रेक्षक सुश्री चौधरी ने संबंधित बूथ लेवल अधिकारी से मतदाताओं की जानकारी लेकर सभी मतदाताओं को जागरूक कर शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही मतदान केंद्र का अवलोकन करने के साथ ही ग्रामीणों से मिलकर उन्हें चुनाव के दिन 17 नवंबर को अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए प्रेरित भी किया।

कमला नेहरू महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा जागरूकता रैली व नुक्कड़ नाटक का किया गया आयोजन

कोरबा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सौरभ कुमार के निर्देशानुसार एवं जिला स्वीप नोडल अधिकारी एवं सीईओ जिला पंचायत श्री विश्वदीप के समन्वय से विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के युवा, बुजुर्ग, महिला, पुरूष सहित स्कूल-कॉलेजों के सभी छात्र- छात्राओं को मतदान के प्रति जागरूक करने हेतु नुक्कड़-नाटक, रैली, नारा-लेखन, निबंध, भाषण, मेहंदी प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण जैसे अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से शत-प्रतिशत मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में कमला नेहरू महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत मतदाता जागरूकता रैली आयोजित की गई। कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक रैली में भाग लिया। उनके द्वारा कॉलेज परिसर से इतवारी बाजार तक जागरूकता रैली निकाली गई एवं इतवारी बाजार में मतदाता जागरूकता हेतु नुक्कड़-नाटक का भी प्रदर्शन किया गया। छात्र-छात्राओं ने अपने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सभी लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा उपस्थित सभी लोगों के समक्ष शपथ पत्र का वाचन कर शत प्रतिशत मतदान की शपथ दिलाई गई।

रामपुर व पाली-तानाखार विधानसभा के लिए ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपैट मशीनों का किया गया कमीशनिंग

कोरबा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सौरभ कुमार एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत जिले में निर्वाचन के दौरान उपयोग होने वाले ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपैट मशीनों का कमीशनिंग झगरहा स्थित आईटी कॉलेज कोरबा में बनाए गए स्ट्रांग रूम में किया जा रहा है। इसी कड़ी में रामपुर व पाली-तानाखार विधानसभा क्षेत्र के लिए ईव्हीएम मशीनों का कमीशनिंग किया गया। इस दौरान प्रेक्षक श्री सी. के. जमातिया एवं श्री प्रियतु मण्डल ने स्ट्रांग रूम पहुंचकर कमीशनिंग कार्य का जायजा लिया। गौरतलब है कि विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत आगामी 17 नवम्बर 2023 को होने वाले मतदान के लिए उपयोग होने वाली मशीनों के विधानसभावार कमीशनिंग के साथ ही सीलिंग का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। इस हेतु प्रशिक्षित अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। स्ट्रांग रूम में विधानसभा रामपुर व पाली-तानाखार हेतु मशीनों का कमीशनिंग किया जा रहा है।

आत्मानंद विद्यालय में भर्ती के नाम पर पैसे की मांग करने वाले के विरूद्ध हुई शिकायत

कोरबा। कोरबा जिले में संचालित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों मे ऑनलाईन एवं ऑफ्लाईन माध्यम से संविदा भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये थे, जिसमें आदर्श आचार संहिता लगने के कारण उक्त भर्ती की कार्यवाही स्थगित है। इस कार्यालय को सूचना प्राप्त हुई है कि अनाधिकृत व्यक्ति के द्वारा मो.न. 8981752810 एवं मेल आई.डी. ूणवतइंण्हवअण्पद/हउंपसण्बवउ के माध्यम से फर्जी तरीके से आवेदकों को उनके चयन, नियुक्ति आदेश एवं पैसे की लेनदेन हेतु सम्पर्क किया जा रहा है जो इस कार्यालय से संबंधित नही है। अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कोरबा जिले में संचालित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के भर्ती से संबंधित सूचना जिले के अधिकृत वेबसाईट ूणवतइंण्हवअण्पद मे अपलोड की जाएगी। इसके अतिरिक्त किसी अन्य माध्यम से आपको भर्ती हेतु किसी भी प्रकार से सम्पर्क किया जाता है और उनके झांसे में आकर आपका आर्थिक नुकसान होता है तो इसमे इस कार्यालय की कोई जवाबदारी नही होगी।

80 साल से ऊपर और दिव्यांग मतदाताओं को होम वोटिंग की प्रक्रिया आज से

कोरबा। विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत जिले में दिव्यांग मतदाताओं और 80 साल से ऊपर के मतदाताओं को डाकमत पत्र के माध्यम से घर-घर जाकर मतदान की प्रक्रिया जारी है। नोडल अधिकारी श्री दिनेश कुमार नाग अपर कलेक्टर ने बताया कि 08 नवंबर को विधानसभा क्षेत्र रामपुर और पाली-तानाखार क्षेत्र में होम वोटिंग कराने के पश्चात् 10 नवंबर को विधानसभा कटघोरा तथा कोरबा क्षेत्र में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक होम वोटिंग कराई जाएगी। इसके लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। होम वोटिंग की प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थी व अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते हैं। उल्लेखनीय है कि जिले में प्रारूप 12 (घ) में आवेदन करने वाले अनुपस्थित श्रेणी के अंतर्गत कुल 250 मतदाताओं ने सहमति दी है। जिसमें से कोरबा विधानसभा अंतर्गत 80 प्लस वाले 108 और दिव्यांग 39 कुल 147, रामपुर विधानसभा अंतर्गत 80 प्लस वाले 18, दिव्यांग मतदाता 9 कुल 27, कटघोरा विधानसभा अंतर्गत 80 प्लस वाले 20 और दिव्यांग में 7 तथा पाली-तानाखार अंतर्गत 80 प्लस वाले मतदाता 31 और दिव्यांग में 18 कुल 49 मतदाताओं ने सहमति पत्र दिया है।

केमिकल ब्लास्ट की तैयारी कर रहा था आतंकी अर्सलान

दुर्ग/लखनऊ। बीते दिनों मुंबई से गिरफ्तार हुए शाहनवाज और रिजवान की पूछताछ के आधार पर अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में बैठ भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने की तैयारी कर रहे लोगों की गिरफ्तारी का दौर जारी है. 3 नवंबर को अलीगढ़ से अब्दुल्लाह अर्सलान और माज बिन तारिक की गिरफ्तारी के बाद छत्तीसगढ़ से एएमयू के पूर्व छात्र को गिरफ्तार किया है. ये आरोपी उत्तर प्रदेश में केमिकल ब्लास्ट करने की तैयारी कर रहा था. यूपी एटीएस की टीम आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर लखनऊ ले आई है। स्पेशल डीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि, बीती 3 नवम्बर को गिरफ्तार किए गए अब्दुल्लाह अर्सलान और माज बिन तारिक से पूछताछ की गई थी. पूछताछ में सामने आया था कि, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में कई ऐसे छात्र और स्टाफ के लोग हैं, जो आईएसआईएस विचारधारा फॉलो कर रहे हैं और उत्तर प्रदेश में बड़े हमले की प्लानिंग कर रहे है. दोनों आरोपियों ने एएमयू से पीएचडी कर चुके वजीहुद्दीन का नाम उगला, जो छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले का रहने वाला था।

इलाज के दौरान मरीज की मौत, परिजनों ने लापरवाही का लगाया आरोप

बिलासपुर। शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी परमजीत सिंह छाबड़ा के पुत्र गोल्डी उर्फगुरवीन सिंह छाबड़ा की अपोलो अस्पताल में इलाज के दौरान वर्ष 2016 में मौत हो गई थी. परमजीत सिंह ने पुलिस पर हाई कोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज करने के बाद भी कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है.परमजीत सिंह छाबड़ा ने बताया कि गोल्डी के ईलाज के दौरान अपोलो अस्पताल के डॉ. देवेन्द्र सिंह, डॉ. राजीव लोचन भांजा, डॉ. सुनील कुमार केडिया और डॉ. मनोज राय द्वारा गंभीर लापरवाही बरती गई, जिससे उसकी मौत हो गई. अस्पताल प्रबंधन और जिम्मेदार डॉक्टरों के खिलाफ उच्च न्यायालय के हस्ताक्षेप के बाद सरकण्डा पुलिस थाना में एफआईआर दर्ज किया गया. लेकिन मामले में पुलिस की जांच कछुए की चाल से चल रहा है. आज तक पुलिस ने लापरवाह डॉक्टरों की गिरफ्तारी नहीं की गई है.मृतक गोल्डी छाबड़ा के परिजनों ने अपोलो अस्पताल प्रबंधन और डॉ. देवेन्द्र सिंह, डॉ. राजीव लोचन भांजा, डॉ. सुनील कुमार केडिया, डॉ. मनोज राय को चिकित्सकीय ईलाज के लिए दिए गए लाइसेंस को तत्काल प्रभाव से निरस्त करते हुए दोषियों पर कठोर विधिक कार्रवाई की मांग की गई है, जिससे फिर किसी गोल्डी छाबड़ा को चिकित्सकीय लापरवाही से अपने प्राणों की आहूति ना देनी पड़े.

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

मंगलवार 14 नवंबर 2023 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

गृहलक्ष्मी योजना के नाम पर लबरा मुख्यमंत्री की एक और फर्जी घोषणा : भाजपा

रायपुर । भाजपा सांसद, भाजपा चुनाव घोषणा पत्र समिति के संयोजक और पाटन विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल ने गृहलक्ष्मी योजना के नाम पर 15 हजार रुपए देने की घोषणा पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान को लेकर पलटवार कर कहा है कि माताओं के सम्मान के लिए जब भारतीय जनता पार्टी ने महतारी वंदन योजना लॉन्च की घोषणा की तो कांग्रेसी बौखला गए। खासकर मुख्यमंत्री बौखला गए और माताओं में जिस तरह का रिस्पॉन्स भारतीय जनता पार्टी के लिए आ रहा था, उसको देखकर पता नहीं कहाँ से सपना आया और लबरा मुख्यमंत्री ने एक और फर्जी घोषणा कर दी। बघेल ने कहा कि गृह लक्ष्मी योजना 15000 देंगे, यह बोलना तो बड़ा-बड़ा है लेकिन काम जीरो बटा सन्नाटा है।

विजय बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल पहले अपने 2018 की घोषणा देख लें। प्रदेश के हर वर्ग के साथ-साथ वृद्ध जनों तक के साथ भूपेश सरकार ने धोखा किया है। वृद्धावस्था पेंशन राशि 350 से 1000 तक करने की बात की थी पर किया नहीं। 75 साल से ऊपर वालों को 1500 करने की बात की थी लेकिन किया नहीं। अब तो मुख्यमंत्री बघेल और कांग्रेस को यह विश्वास हो चला है कि कांग्रेस की सत्ता से विदाई तय है, इसलिए फर्जी घोषणाएँ करने में लगे हैं। मुख्यमंत्री बघेल की तो राजनीतिक उत्पत्ति ही फर्जीवाड़े से हुई है, वह क्या बताएंगे? सन 1993 में भी फॉर्म चेंज करके इनको विधायक की टिकट मिली थी और आज यह बड़ी-बड़ी बात कर रहे हैं। आंगनवाड़ी, मितानिन, कोटवार, पंचायत सचिव, संविदा कर्मचारी, मध्याह्न भोजन, रोजगार सहायक, सबको बघेल सरकार ने छला है। मुख्यमंत्री बघेल ने और एक बात बोले थे कि डी.ए. देंगे, जिसके लिए कर्मचारी-अधिकारी पूरे 5 साल हड़ताल कर कहते रहे कि केंद्र के समान डी.ए. दे दो, पर नहीं दिया। जब हमने अपने घोषणा पत्र में यह वादा किया कि इस डी.ए. को हम उसके एरियर्स को उनके जी.पी.एफ. में समायोजित कर देंगे, तब मुख्यमंत्री चुनाव आयोग को अनुमति के लिए पत्र लिख रहे हैं। मुख्यमंत्री बघेल ने छत्तीसगढ़ को मजाक समझ रखा है। छत्तीसगढ़ के लोगों ने इतना मान सम्मान दिया, मुख्यमंत्री बघेल को कुछ तो शर्म रखनी चाहिए। लोग समझदार हैं, छत्तीसगढ़ की जनता अब कांग्रेस और उसकी भूपेश सरकार के बहकावे में नहीं आने वाली है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पर 82 हजार करोड़ रुपए का कर्ज है और छत्तीसगढ़ की जनता यह मान चुकी है कि अगर भूल से भी कांग्रेस को सत्ता में आने का मौका मिल गया तो कांग्रेस की सरकार छत्तीसगढ़ को बेचने की कोई कसर नहीं छोड़ेगी। यह भूपेश सरकार के नाकारेपन का परिचायक है और अब भी बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। हार के डर से कुछ भी करेंगे और कहेंगे, यह सब अब नहीं चलने वाला है। छत्तीसगढ़ की जनता अब अच्छी तरह जान गई है और पाटन की जनता अब मुख्यमंत्री बघेल की रग-रग से वाकिफ हो गई है। इस फर्जीवाड़े के बहकावे में पाटन और प्रदेश की जनता न आए। मुख्यमंत्री बघेल सिर्फ झूठ बोलते हैं, झूठ बोलने की मशीन है और इन कांग्रेसियों के डीएनए में ही झूठ है। बघेल ने छत्तीसगढ़ की सभी माता बहनों से, किसान भाइयों से, सभी वर्गों से अपील की है कि वे भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाएँ। भाजपा जो कहती है, वह करती है। कांग्रेस जो कहती है, वह कतई नहीं करती; यह 5 साल के कांग्रेस कुशासन में हम सबने देखा है।

सीएम बघेल ने हाथ पर खाए चाबुक

दुर्ग। दिवाली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा का त्योहार मनाया जाता है। इसी मौके पर हर साल की तरह इस साल भी सीएम भूपेश बघेल ने गौरा-गौरी पूजन समारोह में शामिल हुए और प्रदेश की मंलग कामना और खुशहाली के लिए कुश के सोंटे खाकर परंपरा निभाई। आपको बता दें कि सीएम भूपेश आज ग्राम जंजगिरी पहुंचे हुए थे। इस दौरान उन्होंने गौरा गौरी पूजन में शामिल हुए। यहां के ग्रामीण बीरेंद्र ठाकुर ने उन पर सोटे का प्रहार किया। इस दौरान सीएम भूपेश गोंड समुदाय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

मोदी के डर से भूपेश घोषणा घोटाला कर रहे हैं : प्रधान

रायपुर। केन्द्रीय शिक्षा और कौशल विकास मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने सोमवार को भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अब तक घोटालों का रिकॉर्ड बना रहे भूपेश बघेल अब मोदी गारंटी से डर कर घोषणा घोटाला कर रहे हैं। महिलाओं का हर महीने पांच सौ रुपये खा जाने वाले अब रंग बदल रहे हैं। जब से देश में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है, लगातार नारी सशक्तिकरण के कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि करोड़ों शौचालय बनाकर मोदी सरकार ने नारी को सम्मान से जीने का अवसर प्रदान किया। मुस्लिम बहनों को तीन तलाक से मुक्ति दिलाई। संसद में 33 प्रतिशत नारी वंदन अधिनियम पारित कराकर उन्हें नेतृत्व का अवसर प्रदान किया। केन्द्रीय मंत्री श्री प्रधान ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी भारतीय जनता पार्टी ने नारी को स्वावलंबी बनाने के लिए महतारी वंदन योजना का वादा अपने घोषणा पत्र में किया है। इसके तहत प्रत्येक विवाहित महिला को 12 हजार रुपए प्रति वर्ष प्रदान किए जाएंगे। किसी भी घर में हर विवाहित महिला को इस योजना का लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। भाजपा सरकार महतारी वंदन योजना में 5 वर्ष में लगभग 42000 करोड़ रुपए महिलाओं के खाते में डालेंगी।

केन्द्रीय मंत्री श्री प्रधान ने कहा कि इस योजना को छत्तीसगढ़ की बेटियों का जबरदस्त प्रतिसाद मिल रहा है। वे लगातार ऑफलाइन और ऑनलाइन फॉर्म भरकर भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में जमा कर रही हैं। कांग्रेस इससे घबरा गई है। उसके सारे नेता और प्रवक्ता मैदान में उतरकर इस योजना का विरोध कर रहे हैं। वह नहीं चाहते कि छत्तीसगढ़ की नारी मजबूत बने। उन्होंने कहा कि 3 दिन पहले कांग्रेस घोषणा पत्र समिति के संयोजक मोहम्मद अकबर ने पत्रकार वार्ता लेकर कहा कि ऐसी कोई योजना नहीं आने वाली। फिर कल मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हड़बड़ाहट में बिना अपने नेताओं को विश्वास में लिए हमारी योजना की नकल करने की घोषणा की है। जबकि कांग्रेस ने पिछले चुनाव के जनघोषणा पत्र में महिलाओं को 500 देने का वादा किया था, जिसे पूरा नहीं किया है। इसके साथ ही विधवा महिलाओं को 1000 रुपए प्रतिमाह देने की घोषणा की थी, उसे भी पूरा नहीं किया।

केन्द्रीय मंत्री श्री प्रधान ने कहा कि महिला स्वसहायता समूह के कर्ज माफ करने का वादा करने वाली कांग्रेस सरकार रेड्डी टू ईट का काम करने वाली बहनों से रोजगार छीनकर उन्हें आर्थिक रूप से कमजोर करके यह कार्य अपने चहेते ठेकेदार को दे दिया ।

98 प्रतिशत बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं ने किया घर बैठे मतदान

बिलासपुर। चुनाव आयोग की होम वोटिंग की सुविधा जिले में काफी सफल हुई है। पंजीकृत लोगों में से 98 प्रतिशत बुजुर्गों व दिव्यांग मतदाताओं ने अपने घर में मताधिकार का उपयोग किया है।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने पहली बार 80 वर्ष या इससे अधिक उम्र वाले मतदाताओं और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाताओं को इस बार अपने घर में डाकमत पत्र के जरिए वोटिंग की सुविधा दी है। जिले में पंजीकृत 567 में से 545 बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं ने इस सुविधा का लाभ उठाते हुए घर बैठे मतदान किया है। इस दौरान पंजीकरण कराने के बाद 12 बुजुर्गजनों का निधन भी हो गया। घर पर ही मतदान करने की सुविधा मिलने पर सभी ने गर्व महसूस करते हुए निर्वाचन आयोग के प्रति आभार जताया है। जिला निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जिले में 567 बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं ने पोस्टल बैलेट के जरिए घर बैठे मतदान का विकल्प लिया था। इनमें 80 वर्ष या उससे अधिक के 497 मतदाता व 70 दिव्यांग मतदाता शामिल है। होम वोटिंग का पहला चरण 8 नवम्बर से 10 नवम्बर के बीच हुई। 10 नवम्बर तक कुल 461 बुजुर्गों व 70 विकलांग मतदाताओं ने पोस्टल बैलेट के जरिए अपने मताधिकार का उपयोग किया। छूटे हुए शेष मतदाताओं के लिए दूसरे चरण का मतदान आज 13 नवम्बर को हुआ। इसमें कुल 14 लोगों ने मतदान किया। इन्हें मिलाकर कुल 545 लोगों ने पोस्टल बैलेट के जरिए घर बैठे अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें कोटा विधानसभा के 126, तखतपुर विधानसभा से 199, बिल्हा विधानसभा से 51, बिलासपुर विधानसभा से 90, बेलतरा विधानसभा से 111 और मस्तूरी विधानसभा से 68 मतदाता शामिल है।

दैनिक दैनन्दिनी. DNX

Rate Card

SIZE - 20x11 sqft
Digital Outdoor Advertisement
Led sales & Services
Call- 9630054047, 7000646420, 8435751548

Timing: 10am to 10pm.
Screen Size: 6 x 7.6 ft.

Ad Duration & Daily Impressions	1 Month	3 Months	6 Months 20% off	1 Year 35% Off
20 second / 100 Daily	₹ 20,000/-	₹ 50,000/-	₹ 80,000/-	₹ 130,000/-
30 second / 100 Daily	₹25,000/-	₹ 60,000/-	₹ 98,000/-	₹ 156,000/-
45 second / 100 Daily	₹ 36,000/-	₹ 90,000/-	₹ 144,000/-	₹ 234,000/-
60 second / 100 Daily	₹45,000/-	₹ 120,000/-	₹ 192,000/-	₹ 312,000/-

Poster Ad.

Ad Duration & Daily Impressions	1 Day	3 Day	1 Week	15 Days
20 second / 150 Daily	₹ 10,000/-	₹ 20,000/-	₹ 35000/-	60,000/-
30 second / 150 Daily	₹12500/-	₹ 25000/-	₹45000/-	75,000/-
45 second / 150 Daily	₹ 17500/-	₹ 35000/-	₹60000/-	90,000/-

Location:
R.S. TOWER
LAVKUSH FURNITURE
Near by:- OVERBRIGE,
RAIPURA CHOWK, RAIPUR (C.G.)

Contact-
9630054047
7000646420
8435751548

Location (2):
SHAHEED BHAGAT
SINGH CHOWK
G.E.ROAD RAIPUR (C.G.)

State office:
Aashirvad
C-255, Rohinipuram
RAIPUR (C.G.)

अमृत वचन

जीतने का मज़ा तब आता है जब सभी लोग आपके हारने का इंतजार कर रहे हो।

संपादकीय

फिर जहरीली हवा

हर साल की तरह सर्दी के मौसम की दस्तक के साथ ही दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को फिर घातक प्रदूषण की चादर ने अपनी चपेट में ले लिया है। फिर से वायु गुणवत्ता का अत्यंत खराब श्रेणी में आना नागरिकों की चिंता बढ़ाने वाला है। एक्यूआई का तीन सौ पार करना इसका ज्वलंत उदाहरण है जो बताता है कि गाल बजाती राजनीति इस संकट के मूल का उपचार करने में सक्षम नहीं है। ऐसी स्थितियां हर साल आती हैं कभी ठीकरा पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के धान उत्पादक किसानों के सिर फोड़ दिया जाता है। कभी दिवाली के पटाखों को जिम्मेदार कह दिया जाता है। लेकिन हमारी जीवनशैली की खामियों पर चर्चा नहीं होती। दरअसल, हर साल इन दिनों तापमान में गिरावट आने व हवा की रफ्तार कम होने से प्रदूषकों को जमा होने का मौका मिल जाता है। दरअसल, मूल बात यह है कि बेहद तेजी से हुए बहुमंजिला इमारतों के निर्माण से हवा के मूल प्रवाह मार्ग में अवरोध पैदा हो गया है। यह प्रदूषण सिर्फ पराली का नहीं है। बदले लाइफ स्टाइल के चलते हर घर में कई-कई कारें रखने से भी प्रदूषण में इजाफा हुआ है। हमारे नीति-नियंताओं का सबसे बड़े दोष यह है कि वे सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को इतना सहज-सरल ढंग से उपलब्ध नहीं करा पाये कि लोग कार सड़कों पर उतारने के बजाय सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। फिर नीति-नियंता उस सनातन मानसिकता से ग्रसित हैं जो आग लगने पर कुआं खोदने की प्रवृत्ति से युक्त होती है। हर बार जब संकट सिर पर आ जाता है और सुप्रीम कोर्ट लगातार फटकार लगाता है कि दिल्ली गैस चैंबर में तब्दील हो गया, तब दिल्ली सरकार सक्रियता दिखाती है। दरअसल, जो कार्रवाई होती भी है वह प्रतीकात्मक होती है। मीडिया के जरिये ये दिखाने का प्रयास होता है कि सरकार भाग-दौड़ कर समस्या का समाधान करने को तत्पर है। लेकिन जैसे ही बारिश होने या हवा के रुख में बदलाव से स्थिति में सुधार होता है, सरकार भी शिथिल हो जाती है।

दरअसल, दिल्ली के प्रदूषण संकट को समग्र रूप से संबोधित करने की जरूरत है। उन तमाम कारणों पर विचार करने की जरूरत है जो इस संकट के मूल में हैं। ये कारण हमारे निर्माण कार्य में लापरवाही, सड़कों पर बढ़ते ट्रैफिक जाम, अनियोजित विकास और लगातार बढ़ते जनसंख्या घनत्व में तलाशे जाने चाहिए। सवाल यह है कि सभी सरकारी विभाग समग्र रूप से इस संकट के समाधान के लिये क्यों आगे नहीं आते? सभी राजनीतिक दल देश की प्रतिष्ठा व लोगों का जीवन बचाने में आगे क्यों नहीं दिखते? क्यों कई एक्सप्रेस वे बनने और बाहरी राज्यों के वाहनों को दिल्ली से बाहर से निकलने की योजना के सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ रहे हैं? वहीं केंद्र सरकार व राज्य सरकार क्यों विचार नहीं करते कि पराली संकट को दूर करने के लिये जो उपाय किये गए हैं, वे जमीनी हकीकत में कितने खरे उतरे हैं? पराली संकट के समाधान के लिये जो उपाय किये गये हैं, वे क्या किसानों की सुविधा के अनुरूप हैं? क्या इसके लिये फसल चक्र में बदलाव की जरूरत है ताकि खरीफ फसल तैयार होने व रबी की फसल की तैयारी के लिये किसान को पर्याप्त समय मिल सके और किसान पराली जलाने के विकल्प को त्याग सकें। अब चाहे पराली के निस्तारण में सहायक मशीन की व्यावहारिकता का प्रश्न हो या धान के अवशेष को खेत में खत्म करने वाले रसायन के उपयोग का मामला, उसके सभी पहलुओं पर विचार करने की जरूरत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन लगातार वायु प्रदूषण से मरने वाले लाखों लोगों के आंकड़े जारी करता रहता है लेकिन हमारे नीति-नियंता इस दिशा में गंभीर नजर नहीं आते। यह प्रदूषण उन लोगों के लिये तो बहुत ही घातक है जो सांस व अन्य गंभीर रोगों से ग्रसित हैं। सरकारों को सूक्ष्म कणों पीएम 2.5 के संकट के समाधान के लिये निर्णायक अभियान चलाना होगा। साथ ही आम लोगों व किसानों को जागरूक करके इस संकट में सहयोग का आग्रह किया जाना चाहिए।

कीटनाशकों से मुक्ति संग किसान की आय भी बढ़े

- देविंदर शर्मा

'मालूम नहीं क्यों हम धान की फसल पर और ज्यादा कीटनाशक डालते जा रहे हैं,' यह आश्चर्य दुनिया के शीर्ष राइस साइंटिस्ट डॉ. गुरदेव सिंह खुश ने व्यक्त किया, जब हाल ही में लुधियाना स्थित पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में मेरी उनसे मुलाकात हुई। उन्होंने यह भी कहा कि 'प्लांट ब्रीडर के तौर पर हम वैज्ञानिक धान की कीट रोधी और रोग रोधी किस्में विकसित करते हैं उसके बावजूद साल-दर-साल धान पर कीटनाशकों का इस्तेमाल बढ़ता हुआ ही पाते हैं।' डॉ. खुश 35 वर्षों से भी ज्यादा वक्त तक फिलिपींस के अंतर्राष्ट्रीय चावल शोध संस्थान (आईआरआरआई) में कार्यरत रहे।

डॉ. खुश जिन्हें कुछ लोगों द्वारा 'पैडी डैडी' भी कहा जाता है, ने चावल की 328 वैरायटीज का विकास किया है, जिनमें ब्लॉक-बस्टर आईआर-36 और आईआर-42 और आईआर 64 किस्म भी शामिल हैं। ये किस्में कुल मिलाकर चावल की खेती के तहत लगभग 60 प्रतिशत क्षेत्र में उगायी जाती हैं। भारत, इंडोनेशिया, वियतनाम, चीन से मोज़ाम्बिक तक, ये किस्में बेहद लोकप्रिय हैं। यहां तक कि, इंडोनेशिया के एक पूर्व कृषि मंत्री ने एक बार आईआरआरआई के तत्कालीन महानिदेशक से मजाक में कहा था कि आईआर36 किस्म ने उनके लिए बड़ा सिरदर्द पैदा किया। फिर उन्होंने अपने बयान को स्पष्ट करते हुए कहा, 'हमारे पास अब इतना सारा चावल है कि हमें पता नहीं कि इसे कहां स्टोर करें।'

1980 के दशक में वैश्विक स्तर पर 11 मिलियन हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में धान की आईआर36 वैरायटी रोपी गयी थी, जो किसी भी फसल की किस्म के तहत सबसे बड़ा इलाका था। कृषि अर्थशास्त्रियों ने ज्ञात किया था कि एशियाई किसान हर साल धान का 5 मिलियन टन अतिरिक्त उत्पादन करते हैं, जिससे हर साल एक बिलियन डॉलर से अधिक की कमाई होती है। आईआर36 किस्म द्वारा प्रदान की गई रोग प्रतिरोधक क्षमता से किसानों को कीटनाशकों की लागत में प्रति वर्ष लगभग 500 मिलियन की बचत हुई। साल 1982 में फिलीपींस के लॉस बानोस में अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) के एक एक्सटर्नल रिव्यू के मुताबिक', 'अकेले आईआर36 का असर 21 बरस पहले आईआरआरआई की स्थापना के बाद से इसमें निवेश को सही ठहराने से भी कहीं ज्यादा होगा।'

यहीं डॉक्टर खुश के योगदान का कोई मुकाबला नहीं है। इसलिए जब वे धान पर रासायनिक कीटनाशकों के बढ़ते उपयोग व दुरुपयोग पर चिंता जताते हैं तो यह समय संज्ञान लेने का है। मुझे याद है, आईआरआरआई के पूर्व महानिदेशक डॉ. रॉबर्ट कैंट्रेल ने एक बार कहा था-'एशिया में धान की फसल पर पेस्टिसाइड्स का उपयोग धन और प्रयासों की बर्बादी है।' फिलिपींस के सेंट्रल लुज़ोन सूबे, वियतनाम और बांग्लादेश के किसानों ने भी इसे निर्णायक तौर पर दर्शाया है कि कीटनाशक आवश्यक नहीं हैं। किसानों ने पेस्टिसाइड्स के बिना भी उच्चतर उत्पादकता प्राप्त की है।

daily समाचार.com
daily समाचार.com
डेली samachaar.com
डेली samachaar.com

करीब दो दशक पूर्व डॉ. कैंट्रेल और लेखक अंतर्राष्ट्रीय कृषि रिसर्च के सलाहकार समूह (सीजीआईएआर) के बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित सेंट्रल एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य थे। बता दें कि सीजीआईएआर 15 अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्रों की गवर्निंग बॉडी है। हम अक्सर उस गैरजरूरी दबाव से उत्पन्न होने वाले हानिकारक पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में चिंता करते थे जो कृषि वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं, दोनों के बीच बनाने में कीटनाशक निर्माता सफल रहे थे। वे हमेशा कीटनाशकों से दूर जाने के प्रति राष्ट्रीय कृषि केंद्रों की अनिच्छा पर निराशा व्यक्त करते थे।

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) अब उनके नाम पर 'गुरदेव सिंह खुश इंस्टीट्यूट ऑफ जेनेटिक्स, प्लांट ब्रीडिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी' और एक संग्रहालय समर्पित कर रहा है, जो इस विवि के पूर्व छात्र भी हैं। ऐसा करके पीएयू ने खुद को महान सम्मान दिया है। डॉ. खुश को वर्ष 1996 का विश्व खाद्य पुरस्कार, जो इन्हें अपने संरक्षक हेनरी बीचेल के साथ मिला था। वहीं ये 1987 में जापान पुरस्कार, 1977 में बोरलॉग पुरस्कार के प्राप्तकर्ता हैं। डॉ. खुश को साल 1995 में रॉयल सोसाइटी के सदस्य के रूप में चुना गया था।

कम होते भूजल स्रोतों के बारे में उन्होंने स्वीकार किया कि अब धान की ऐसी किस्में विकसित करने का समय आ गया है जिन्हें पानी की जरूरत कम हो। किसी भी दशा में, वे धान के खेत को फसल के अधिकतर भाग तक पानी से लबालब रखने के पक्ष में नहीं थे। जब मैंने उनसे विशेष तौर पर, दुनियाभर में चर्चा का विषय बन रहे खाद्य प्रणाली में बदलावों और खाद, कीटनाशकों व पानी की कम खपत वाली धान किस्में विकसित करने की जरूरत के बारे में पूछा तो उनकी प्रारंभिक प्रतिक्रिया थी कि 'यह अच्छा विचार है'। 'यह सिर्फ तभी संभव है जब हम किसानों को पराली जलाने के बजाय उसे खेत में ही जुताई करके मिट्टी में मिलाने के बारे में सीख देंगे। इससे धरती में पर्याप्त पोषक तत्व बढ़ेंगे, और ऐसे में रासायनिक साधनों की जरूरत कम पड़ेगी।' आने वाले दिनों में हम राइस रिसर्च के,कम से कम पीएयू में, कैमिकल से नॉन कैमिकल धान की खेती की ओर परिवर्तन के बारे में सोच सकते हैं।

निस्संदेह, पराली संकट का असल समाधान पराली के स्थानीय स्तर पर ही प्रबंधन में निहित है। ये मानते हुए कि अकेले पंजाब में धान के 200 लाख टन अवशेष पैदा होते हैं, जिनका ऊर्जा उत्पादन के रूप में उद्योगों में उपयोग सीमित रहेगा। उन्होंने किसानों को बायोमास का पर्याप्त प्रबंधन करने में सक्षम बनाने के लिए इंसेंटिव प्रदान करने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। यह जरूरी है क्योंकि किसान उन मशीनों को कूड़ा ही बना रहे हैं जिन्हें शुरू में खेत की आग से निपटने के लिए लाया गया था।

एक वक्त था जब चावल को गरीबी से जोड़ा जाता था। परंतु उच्च-उपज देने वाली धान की किस्मों के उद्भव के बाद अब चावल के साथ गरीबी का संबंध नहीं माना जाता है। अपनी आत्मकथा 'गुरदेव सिंह खुश ङ्क एक धान प्रजनक की यात्रा' (पंजाब कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित) में वे कहते हैं कि 1960 के दशक में 1 से 3 टन प्रति हैक्टेयर के मुकाबले अब किसान प्रति हैक्टेयर 5 से 7 टन उपज प्राप्त करते हैं। इस बड़े परिवर्तन के चलते धान का कुल उत्पादन बढ़ा है जो साल 1966 में 257 मिलियन टन था और 2014-15 में 720 मिलियन टन हो गया है। यह बढ़ोतरी एशिया में हुई जहां वैश्विक धान उत्पादन का 95 प्रतिशत हिस्सा उत्पन्न होता है।

मुझे लगता है आज जरूरी है, वैज्ञानिकों और अर्थशास्त्रियों का ध्यान अब किसानों को मिलने वाले आर्थिक लाभ की तरफ भी जरूर जाना चाहिये।

अभी तक हमारा सारा बल उत्पादकता में वृद्धि पर ही था जबकि धान उत्पादन के अर्थशास्त्र को केवल जुबानी सहानुभूति ही मिली है। अकेले उच्चतर उत्पादकता को ही उच्चतर आय की राह के रूप में नहीं देखा जाना चाहिये। यदि यह सच होता तो भारत में धान किसान धनी किसानों में शामिल होते।

भारत में, जबकि 1960 के दशक के बाद धान उत्पादन 4.5 गुणा बढ़ा है लेकिन एक औसत चावल उत्पादक परिवार की खेती से आमदन घटती ही रही है। रिसर्च का ध्यान अब उन नीतियों को देखने पर होना जरूरी है जिन्होंने जानबूझकर कृषि को दरिद्रता में रखा। फसल की उत्पादकता बढ़ाने के साथ ही किसान की आय में वृद्धि भी रिसर्च की प्राथमिकता बननी चाहिये। आखिरकार, हमें नहीं भूलना चाहिये- 'किसान नहीं तो खाद्य नहीं।'

लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

टेक्नॉलोजी ने आसान किए जमीन के काम

- वीएस कुंडु

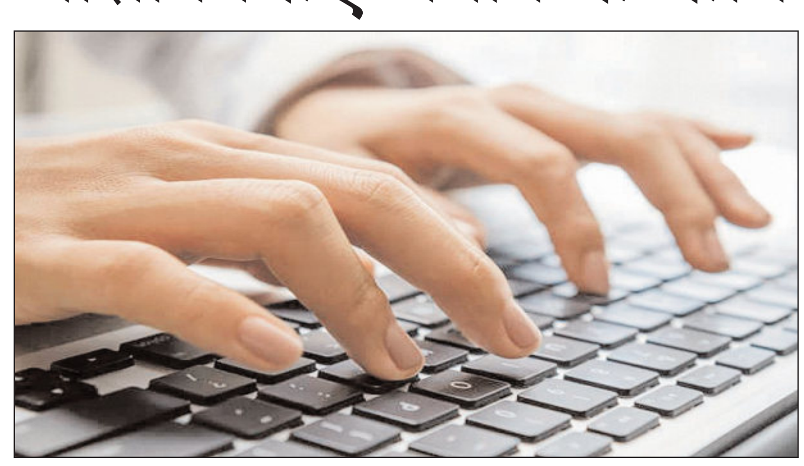

प्रदेश में राजस्व सुधार से हरियाणा में लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। अपनी प्रगतिशील सोच और आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग से वर्तमान नेतृत्व ने राज्य में भूमि बंदोबस्त को नई ऊंचाइयां दी हैं। इससे विवादों में जहां कमी आई है वहीं नागरिकों की मुश्किलें आसान हुई हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने जमीनी स्तर के लंबे अनुभवों के आधार पर राजस्व से जुड़ी सभी कठिनाइयों का समाधान का प्रयास है, जिससे लोग सबसे ज्यादा परेशान थे। उसमें राजस्व सुधार प्रमुख है।

हरियाणा में भूमि दस्तावेज प्रबंधन में डिजिटल प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया गया है। भूमि संबंधी सारे दस्तावेजों का कंप्यूटरीकरण करने के मामले में हरियाणा देश का पहला राज्य है, जहां के जिलों और तहसीलों के राजस्व संबंधी लगभग सभी रिकॉर्ड ऑन लाइन कर दिए गए हैं। दस्तावेजों का डिजिटलीकरण कर दिया गया है। इसके अगले चरण में जमीन की फर्द को भी ऑनलाइन कर दिया गया है। फर्द लेने के लिए अब किसी नागरिक को तहसील अथवा जिला मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ते हैं।

भू-राजस्व से जुड़े मसले बेहद संवेदनशील होने की वजह से यह बड़ी समस्या भी थी, जिसमें अपनी ही जमीन से संबंधित दस्तावेज प्राप्त करना कड़ी चुनौती होती थी। राजस्व सुधार के तहत इसे आधुनिक टेक्नोलॉजी से जोड़ दिया गया है। अब घर बैठे कोई भी व्यक्ति अपनी जमीन संबंधी सारे दस्तावेज डाउनलोड कर सकता है। ये बदलाव होने से पूर्व जमीनों का बैनामा (रजिस्ट्री) कराना किसी युद्ध से कम नहीं होता था, लेकिन राज्य के मौजूदा नेतृत्व की पहल ने इसे आसान बना दिया है। इसी तरह रजिस्ट्री कार्यालयों का पूरी तरह कंप्यूटरीकरण हो जाने से सारी प्रणाली ऑनलाइन हो चुकी है। सरकार के इस कदम से सुशासन को बल मिला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी हरियाणा में राजस्व सुधार को लेकर मुख्यमंत्री की प्रशंसा की है।

दरअसल, राजस्व सुधार में दूसरा बड़ा कदम भूमि संबंधी बैनामा (रजिस्ट्री) प्रणाली में उठाया गया है। रजिस्ट्री से संबंधित विवादों की संख्या में लगातार भारी बढ़ोतरी सरकार के लिए समस्या बनी हुई थी। शासन-प्रशासन ने इस समस्या को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया। ई-पंजीकरण प्रणाली शुरू हो जाने से जहां पूरा सिस्टम पारदर्शी हो गया है वहीं बैनामा कराना बहुत आसान हो गया है। अब लोगों को रजिस्ट्री कराने के लिए तहसीलों में लंबा इंतजार करने से मुक्ति मिल गई है। रजिस्ट्री कराने के लिए व्यक्ति पहले से 'एप्वाइंटमेंट' ले सकता है।

हरियाणा की तहसीलों और उप तहसीलों में ई-रजिस्ट्रेशन प्रणाली की शुरुआत 2015 से ही हो गई थी। रजिस्ट्री के दस्तावेज प्राप्त करने के लिए भी व्यक्ति को तहसील मुख्यालय आने की जरूरत नहीं है। रजिस्ट्री तीन दिनों के भीतर डाक के माध्यम से उसके पते पर प्राप्त की जा सकती है। वहीं वर्ष 2017 से हरियाणा में रजिस्ट्री में काम आने वाले स्टैंप पेपर की जगह ई-स्टैंप प्रणाली शुरू हो चुकी है। वहीं तहसीलों में पैन की ऑनलाइन सत्यापन सेवा उपलब्ध है। राज्य के तहसील मुख्यालयों में सदियों पुराने राजस्व रिकार्ड को सुरक्षित रखने के लिए उसका भी डिजिटलीकरण कर दिया है। डिजिटल रिकार्ड के संरक्षण के लिए आधुनिक रिकार्ड रूम बनाए गए हैं।

इसी प्रकार, पहले प्रदेश में भूमि अधिग्रहण की समस्या गंभीर थी। किसानों की भूमि का जबरन अधिग्रहण आम बात थी, जिसे मौजूदा मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता के साथ समाप्त कराया। पुरानी व्यवस्था की जगह नया ई-भूमि पोर्टल लांच किया। इसके प्रावधानों के मुताबिक, राज्य में विकास कार्यों के लिए किसान अपनी जमीन स्वेच्छा से दे सकता है। इसका उद्देश्य राज्य में होने वाले विकास कार्यों में किसानों को शामिल करना है। इस पहल का नतीजा यह रहा कि ई-भूमि वेबपोर्टल पर अब तक 10,436 किसानों ने अपनी लगभग 26,837 एकड़ भूमि का पंजीकरण करा लिया है।

राजस्व सुधार के पीछे मंशा यह थी कि किसानों की जमीन का अधिग्रहण उनकी मर्जी के बगैर नहीं होना चाहिए। वहीं सहमति से होने वाले भू-अधिग्रहण की प्रक्रिया में उन्हें उचित मुआवजा मिलना सुनिश्चित होना चाहिए।

एक अन्य पहल के तहत, राजस्व सुधार में गांवों के लाल डोरे के अंदर की प्रॉपर्टी का मालिकाना हक दिलाना सबसे बड़ा प्रावधान है। चुनावी घोषणा पत्र को लागू करते हुए मुख्यमंत्री ने स्वामित्व योजना लागू कर गांव के लोगों को उनकी प्रॉपर्टी का अधिकार सौंप दिया। हरियाणा की इस योजना की लोकप्रियता को देखते हुए 24 अप्रैल, 2020 को इसे पूरे देश में 'प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना' के नाम से लागू किया गया। अब यह योजना ज्यादातर राज्यों में तेजी से लागू की जा रही है।

दरअसल, लाल डोरे के दायरे वाली प्रॉपर्टी का इसके पहले तक कोई रिकॉर्ड नहीं होता था। इसी वजह से ग्रामीण क्षेत्र में ऐसी प्रॉपर्टी को लेकर बहुत ज्यादा विवाद हैं। मालिकाना हक के झगड़ों से निचली अदालतें परेशान रही हैं। अब हरियाणा के सभी गांव लाल डोरा मुक्त हो चुके हैं, ज्यादातर लोगों को उनकी प्रॉपर्टी के कार्ड सौंप दिए गए हैं। इसके चलते राज्य में लगभग साढ़े चार हजार से अधिक संपत्तियों की रजिस्ट्रियां भी की जा चुकी हैं।

लक्ष्य की प्रतिबद्धता

जंगल में साधु की एक कुटिया थी। एक यात्री हाथ में दीया लिये उधर से गुजरा। दीया उसे राह दिखा रहा था। साधु ने यात्री को रोकते हुए कहा, 'भाई, दिन भर के सफर में थक गए होंगे। रात को कुटिया में ठहर जाओ। सुबह चले जाना।' यात्री नहीं रुका। साधु ने फिर टोका, 'तुम्हारे पास छोटा-सा दीया है, जिसकी रोशनी मंद है। राह में तकलीफ़ हो सकती है।' 'इसे आप मंद प्रकाश कहते हैं' यात्री ने हैरत से कहा। 'मेरे से यह चार कदम आगे ही रहता है। यात्रा के दौरान यह नन्हा दीया ही मेरा सबसे विश्वसनीय साथी है।' 'लेकिन रास्ते में कई तरह की अड़चन हैं। तुम्हारा जीवन संकट में पड़ सकता है।' साधु ने उसे चेताया। पथिक ने साधु को आश्वस्त करते हुए कहा, 'साहसी व्यक्ति का लक्ष्य निश्चित होता है। लक्ष्य के प्रति समर्पित समय का अर्थ ही जीवन है। हमारे बड़े संघर्ष के सहारे इतिहास की पगडंडी पर असंख्य अमिट चिन्ह छोड़ गये हैं। बिना रुके, बिना थके जो लक्ष्य की ओर बढ़ता रहे, असल में वही जीवित है।' साधु ने यात्री को आशीष देते हुए कहा' 'वत्स! मैं तुमसे संतुष्ट हुआ। तुम्हारी यात्रा शुभ हो।'

प्रस्तुति : राजकिशन नैन

सेहत

आंखों को कमजोर होने से बचाएं

आजकल लोगों की समय से पहले ही आंखो रोशनी कम होने लगती है. ऐसा इसलिए क्योंकि लोगों का खान पान सहीं नहीं होता है या यूं कहें कि कम्प्यूटर, फोन की स्क्रीन के सामने घंटों रहने से भी लोगों की आखों की रोशनी कम हो जाती है.हालांकि अगर हम अपने खान-पान पर थोड़ा सा ध्यान दें तो शायद इससे बचा जा सकता है. यहां हम आपको बताएंगे कि आप अपनी डाइट में किन चीजों को शामिल करें जिससे आखों को कमजोर होने से बचाया जा सके. चलिए जानते हैं-

हरी सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियों को अपनी डाइट में शामिल जरूर करें. क्योकि हरी पत्तेदार सब्जियों में आयरन होता है जो आंखों के लिए बहुत जरूरी होता है. इससे हमारी आंखों की रोशनी तेज होती है.

बादाम के दूध का करें इस्तेमाल

हफ्तें में कम से कम 3 बार बादाम का दूध जरूर पीएं. क्योंकि इसमें विटामिन ई होता है जो कि आंखों को किसी भी प्रकार की बीमारी से लड़ने में मदद करता है.

अंडे डाइट में करें शामिल

क्या आपको पता हैं कि अंडे में अमीनो एसिड, प्रोटीन, और विटामिन बी2 होता है जो कि आखों के लिए बहुत जरूरी होता है. ऐसे में आप भी अंडे अपनी डाइट में जरूर शामिल करें.

गाजर

गाजर आखों के लिए वरदान है. गाजर का जूस पीना सेहत के लिए तो अच्छा है ही इसके अलावा आंखों के लिए भी बहुत लाभदायक है. रोजाना एक गिलास गाजर का जूस पीने से आपकी आखों पर चढ़ा चश्मा भी उतर सकता है.

सोयाबीन डाइट में करें शामिल

अगर आप नॉन वेज नहीं खाते हैं तो सोयाबीन अपनी डाइट में शामिल करें. यह आपकी आखों के लिए बहुत फायदेमंद है.

आज का राशिफल

मेष- आज के दिन आपके अंदर परस्पर सहयोग की भावना बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कामों में आपको धैर्य दिखाना होगा। स्वास्थ्य में चल रही समस्याओं में आप लापरवाही बिल्कुल ना बरतें। किसी अजनबी पर यदि आपने भरोसा किया, तो वह आपका कोई भारी नुकसान करवा सकता है।

वृषभ- व्यापार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, लेकिन साझेदारी में आप कोई डील्स यदि फाइनल करें, तो उसमें अपनी बात अवश्य रखें। मामा पक्ष से आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए डेली रूटीन को बनाए रखने के लिए रहेगा, उसमें बदलाव न करें, नहीं तो समस्या हो सकती है। आपको परिवार में किसी सदस्य की ओर से कोई आवश्यक सूचना सुनने को प्राप्त होगी और आप अपनी मेहनत व लगन से कार्य क्षेत्र में एक अच्छी जगह बनाने में कामयाब रहेंगे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए बुद्धि और विवेक से लिए निर्णय लेने के लिए अच्छा रहने वाला है। कला व कौशल में सुधार आएगा। विभिन्न क्षेत्रों में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आप अपने कामों को कल पर ना डालें, नहीं तो समस्या हो सकती है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए भौतिक वस्तुओं की प्राप्ति के लिए रहेगा। आप किसी से तर्क वितर्क में ना पड़े। परिजनों की सीख और सलाह आपके काम आएगी। अत्यधिक तले भूने भोजन से परहेज रखें, नहीं तो आपको कोई पेट संबंधित समस्या परेशान कर सकती है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए साहस और पराक्रम में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको अपने मन में नकारात्मक विचारों को नहीं लाना है, नहीं तो इससे आपका बेवजह की लड़ाई झगड़ा उत्पन्न हो सकता है। आप अपने मन को कुछ ऐसे कामों में लगाएं, जिससे लोगों का भला हो।

तुला- आज का दिन आपके जीवन स्तर में सुधार लेकर आने वाला है। बैंकिंग कार्यों में आपकी पूरी रुचि रहेगी। घर परिवार में कोई ऐसी बात हो सकती है, जिससे कि आपका मन परेशान होगा, लेकिन फिर भी आप किसी से कुछ नहीं कहेंगे। आपको अपने माता जी से किए हुए वादे को पूरा करना होगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए शुभ और मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए रहेगा। आपके उल्लेखनीय प्रयासों में वृद्धि होगी और राजनीतिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को उनके अच्छे कार्यों से जाना जाएगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए लेनदेन के मामले में सावधान रहने के लिए रहेगा। किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी करते समय जरूरी कागजातों पर पूरा ध्यान दें, नहीं तो आपके साथ कोई धोखा हो सकता है। समन्वय की भावना आपके मन में बनी रहेगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए आय में वृद्धि लेकर आने वाला है। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। आपको उम्मीद से ज्यादा लाभ मिलने से आपकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा और आपको यदि किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो अवश्य करें।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार में मधुरता बनाए रखने के लिए रहेगा। कानूनी मामले में आपको अपनी आंखें और कान खुले रखने होंगे और किसी सहयोगी से मदद लेनी पड़ सकती है।

मीन- आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्य से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपकी कुछ नई योजनाओं को गति मिलेगी। धार्मिक कार्यक्रमों से जुड़कर आप अच्छे कामों को करेंगे। आपके साहस पराक्रम में वृद्धि होगी।

माथे की लकीरों से पता चलता है कितने भाग्यशाली हैं आप

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार केवल हाथ की रेखाएं ही नहीं बल्कि उंगलियों की बनावट, पैरों के आकार और माथे की लकीरों को देखकर भी व्यक्ति के भविष्य के बारे में जाना जा सकता है। माथे की लकीरें किसी भी व्यक्ति के भविष्य, उसकी आर्थिक स्थिति और स्वभाव आदि के बारे में बहुत कुछ बताती हैं। किसी भी व्यक्ति के माथे की लकीरों को देखकर ये समझा जा सकता है कि वह कितना भाग्यशाली है। माथे पर पड़ने वाली लकीरों की संख्या और प्रकार को देख कर आप आसानी से किसी के भविष्य के बारे में जान सकते हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में...

धन से जुड़ी माथे की पहली लकीर

व्यक्ति के माथे की पहली लकीर का संबंध धन से होता है। ये लकीर भौं के निकट बनती है। सामुद्रिक शास्त्र में इसे धन की लकीर भी कहा जाता है। जिस व्यक्ति की धन की यानी माथे की पहली लकीर जितनी स्पष्ट होगी, वह व्यक्ति उतना ही धनवान होगा। वहीं माथे की यह लकीर स्पष्ट नहीं होती है तो इससे ये संकेत मिलता है कि व्यक्ति को धन से जुड़ी समस्याएं होंगी।

दूसरी लकीर

माथे की दूसरी लकीर स्वाथ्य से जुड़ी होती है। ये लकीर भौहों के निकट की लकीर के बाद दूसरी लकीर होती है। माथे की ये दूसरी लकीर गाढ़ी और साफ दिखाई देती है तो, इसका मतलब है कि उस व्यक्ति का स्वास्थ्य जीवन अच्छा होगा। वहीं यदि ये लकीर पतली और हल्की होती है तो व्यक्ति को स्वास्थ्य परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

तीसरी लकीर

माथे की तीसरी लकीर भाग्य से जुड़ी होती है। खास बात ये है कि ये लकीर बहुत ही कम लोगों के माथे पर होती है। यदि ये लकीर माथे पर बनी होती है तो वह व्यक्ति भाग्यशाली होता है।

चौथी लकीर

माथे की चौथी लकीर 26 से 40 वर्ष तक के उतार-चढ़ाव और संघर्ष के बारे में बताती है। ऐसे व्यक्ति चालीस की उम्र के बाद सफलता की बुलंदियों में होते हैं। ऐसे लोगों का आर्थिक जीवन भी अच्छा होता है।

पांचवीं लकीर

माथे पर बनने वाली पांचवीं लकीर को सही नहीं माना जाता है। ये लकीर जीवन में तनाव और चिंता को दर्शाती है। कभी-कभी तो ऐसे लोग अपना घर बार छोड़कर वैराग्य जीवन की तरफ चल देते हैं।

छठी लकीर

नाक की सीधी तरफ ऊपर जाने वाली लकीर माथे की छठी लकीर होती है। इसे दैवीय लकीर कहा जाता है, क्योंकि ये लकीर संकेत देती है कि व्यक्ति के ऊपर दैवीय कृपा है। ऐसे व्यक्ति जीवन में जरूर रूप से सफल होते हैं।

हथेली में हो ऐसी विवाह रेखा तो मिलता है अमीर जीवनसाथी, ठाठ से गुजरती है जिंदगी

हाथ की लकीरें इंसान की तकदीर का आईना होती हैं। ये लकीरें व्यक्ति के स्वभाव और किस्मत के बारे में काफी कुछ बता सकती हैं। हथेली की रेखाएं व्यक्ति के स्वभाव, व्यवहार, भविष्य के अलावा ये भी बताती हैं उसे कैसा जीवनसाथी मिलेगा। आज हम हथेली में मौजूद ऐसी ही रेखा के बारे में बात करेंगे, जो शादी के बाद इंसान की तकदीर बदल देती हैं। आपने अक्सर देखा होगा कि कई बार लोगों को शादी के बाद अचानक से तरक्की मिलने लगती है। उनकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार आने लगता है। ऐसा हथेली में मौजूद विवाह रेखा की वजह से होता है। हथेली की विवाह रेखा और कुछ अन्य निशान को देखकर जाना जा सकता है कि आपको कैसा जीवनसाथी मिलेगा। साथ ही सदी के बाद कितनी तरक्की मिलेगी। चलिए जानते हैं इसके बारे में...

कहां होती है विवाह रेखा?

हाथ की सबसे छोटी अंगुली के नीचे कुछ बेहद बारीक और आड़ी-टेढ़ी रेखाएं होती हैं। ये रेखाएं हथेली के बाहर से अंदर की तरफ आती हैं। ये रेखाएं हृदय रेखा के ठीक ऊपर होती है। इन्हीं को विवाह की रेखा कहा जाता है। विवाह रेखा एक या एक से अधिक भी हो सकती है।

ऐसी विवाह रेखा होती है शुभ

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार जिन लोगों की हथेली में विवाह रेखा स्पष्ट दिखाई देती है, उन्हें एक अमीर जीवनसाथी मिलता है। वहीं यदि चंद्र पर्वत से निकलकर कोई रेखा विवाह रेखा के साथ मिले तो ऐसे लोगों को बहुत प्यार करने वाला जीवनसाथी मिलता है। ऐसे लोगों का दांपत्य जीवन हमेशा खुशहाल रहता है।

यदि किसी व्यक्ति की हथेली में विवाह रेखा हल्की और पतली हो वे अपने जीवनसाथी के प्रति ज्यादा गंभीर नहीं रहते हैं। ऐसे लोगों के एक से ज्यादा प्रेम संबंध होते हैं। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार शादी के बाद भी इनके अफेयर होने की आशंका रहती है।

यदि किसी व्यक्ति की हथेली में विवाह रेखा का रंग लालिमा लिए हुए ऐसे तो ऐसे लोगों के वैवाहिक जीवन में खुशियां बनी रहती हैं। इनका वैवाहिक जीवन हमेशा प्रेम-उत्साह बना रहता है। वहीं विवाह रेखा का पीला या सफेद होना दांपत्य के प्रति उदासीनता दिखाता है।

इन लकीरों को माना गया है बहुत अशुभ

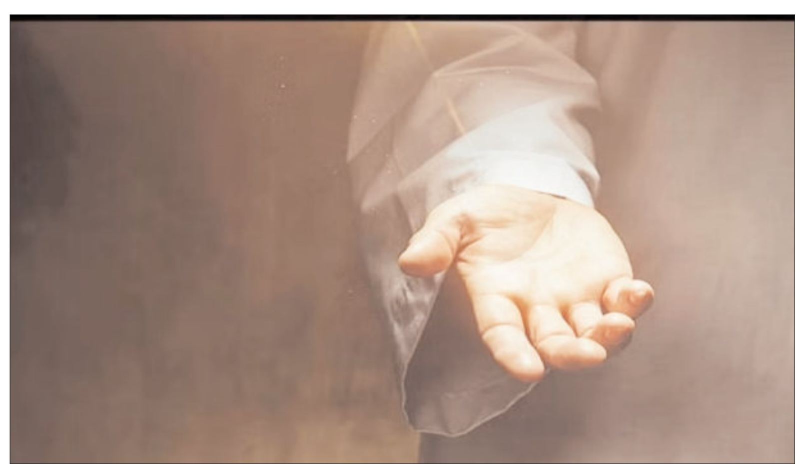

हस्तरेखा शास्त्र में हथेली पर बनने वाली लकीरों के बारे में काफी विस्तार से बताया गया है। व्यक्ति की हथेली पर मौजूद इन लकीरों को देखकर उसके जीवन के बारे में बहुत कुछ जाना जा सकता है।

हर व्यक्ति की हथेली पर अलग-अलग निशान या आकृतियां बनी होती हैं, जिनमे से कुछ निशान शुभ होते हैं तो वहीं कुछ अशुभ। शुभ निशान बनने पर सौभाग्य में बढ़ोतरी होती है और अशुभ चिन्ह या निशान होने पर तमाम तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आज हम आपको हथेली पर मौजूद कुछ अशुभ निशान के बारे में बताएंगे। कहा जाता है कि ये निशान जिस व्यक्ति की हथेली पर होते हैं उन्हें जीवन में तमाम परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आइए जानते हैं इनके बारे में...

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार यदि किसी व्यक्ति के हथेली में भाग्य रेखा साफ, गहरी और स्पष्ट दिखे तो इंसान बहुत ही भाग्यशाली होता है, लेकिन वहीं यदि ये रेखा कटी हो या इसके ऊपर से कई छोटी-छोटी रेखाएं जाती हों तो इसे शुभ नहीं माना जाता है। ऐसे व्यक्ति को अपने करियर और धन संबंधी मामलों में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

विवाह रेखा पर क्रॉस का निशान

वहीं यदि किसी व्यक्ति की हथेली में विवाह रेखा पर क्रॉस का निशान बन रहा हो तो इसे भी अशुभ माना जाता है। ऐसे लोगों का उनके पार्टनर का साथ बहुत कम समय के लिए मिल पाता है।

भाग्य रेखा को काटती हुई लकीर

अगर किसी व्यक्ति के अंगूठे से कोई लकीर निकलकर शुक्र पर्वत से होते हुए भाग्य रेखा को काटती है तो ऐसे व्यक्ति को असमय अपने परिवार के सदस्य को खोने का दुख मिलता है।

अनामिका उंगली पर क्षैतिज रेखाएं

अनामिका उंगली पर क्षैतिज रेखाएं दुर्भाग्य का संकेत देती हैं। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार जिनकी हथेली में अनामिका उंगली पर क्षैतिज रेखाएं बनी होती हैं, उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा प्रभावित होती है।

काला धब्बा

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार जिन लोगों की हथेली पर काला धब्बा होता है, उन्हें जीवनभर दुर्भाग्य का सामना करना पड़ता है। जीवन भर एक के बाद एक परेशानियां लगी रहती हैं।

हथेली में मौजूद तिल से जानें कैसा रहेगा आपका भविष्य

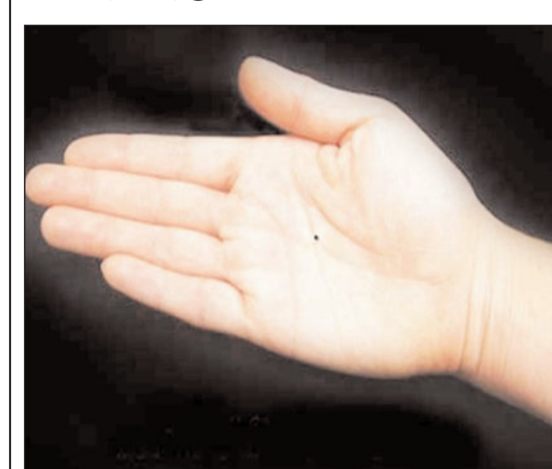

सामुद्रिक शास्त्र में किसी भी व्यक्ति की हथेली में मौजूद तिलों के बारे में विस्तार से बताया गया है। हथेली में अलग-अलग जगह पर मौजूद तिल अलग-अलग प्रभाव देते हैं। कुछ तिल शुभ होते हैं तो वहीं कुछ अशुभ। हथेली में मौजूद ये तिल व्यक्ति के बारे में बहुत कुछ संकेत देते हैं, जिन्हें देखकर किसी भी व्यक्ति के भविष्य और स्वभाव के बारे में मूल्यांकन किया जा सकता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं तिल से संबंधित कुछ खास संकेतों के बारे में, जिन्हें देखकर व्यक्ति की आर्थिक स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसे में चलिए जानते हैं हथेली में किस जगह पर बना तिल क्या संकेत देता है...

शुक्र पर्वत पर तिल

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शुक्र पर्वत पर तिल होना शुभ नहीं माना जाता है। जिन लोगों की हथेली में शुक्र क्षेत्र पर तिल होता है, उन्हें वैवाहिक जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पार्टनर के साथ छोटी-छोटी बातों पर विवाद होता रहता है। साथ ही सरकारी मामलों एवं नौकरी में आपको कष्ट हो सकता है। किसी कारण से समाज में आपकी छवि खराब हो सकती है।

मध्यमा उंगली पर तिल

यदि आपकी मध्यमा उंगली पर तिल है तो ज्योतिष की दृष्टि में भी ये बहुत अच्छा माना गया है। इसका मतलब आप बहुत भाग्यशाली हैं। मध्यमा उंगली पर तिल से व्यक्ति को जीवन में कभी भी खुशियां और धन की कमी नहीं होती है।

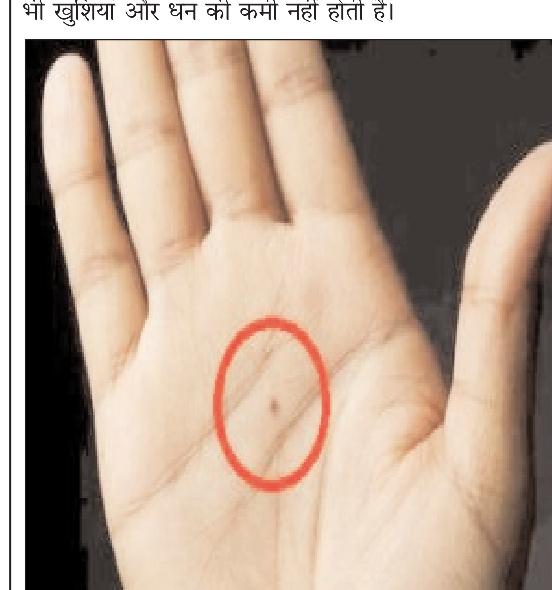

चंद्र पर्वत पर तिल

जिनकी हथेली में चंद्र पर्वत पर तिल का निशान मौजूद होता है उनका मन अस्थिर और अशांत रहता है। ऐसे लोगों को जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही ये लोग प्यार में भी असफल होते हैं।

गुरु पर्वत पर तिल

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार जिनकी हथेली में गुरु पर्वत पर तिल होता है ऐसे लोगों को जीवन में भरपूर धन-दौलत मिलती है। ऐसे लोगों को अपने जीवन में सारे सुख मिलेंगे।

जामुन में है चमत्कारी गुण रखे बीमारी से दूर

गर्मी के आते ही बाजारे में जामनी के रंग के जामुन नजर आने लगते है। लेकिन क्या आपको पता है यह जामनी रंग, स्वाद में खट्ट-मीठा जामुन कितना गुण कारी है जामुन स्वाद में तो कसैला लेकिन इसमें रोगों से लडने की गणु भर पूर होते हैं। जामुन वातकारक, पित्तशामक और उल्टी को रोक के काम आता है। डायबिटीज के लिए इसकी गुठली का उपयोग व और भी अन्य रोगों से बचाने के लिए किया जाता है। जामुन का सिरका भी बना सकती है यह पाचक होता है।जामुन और आम की गुठलियों का 2-2 ग्राम पाउडर छाछ के साथ दिनमें तीन बार लेने से पेटदर्द दूर होता है।पथरी के रोगी को जामुन की गुठली का पाउडर दही के साथ सुबह-शाम कम से कम दिन में 3 ग्राम की मात्रा में लें। इससे पथरी गलकर धीरे-धीरे निकल जाती है। इसके साथ ही पका जामुन खाने से भी पथरी के मरीज को आराम भी मिलताजामुन खाने या उसका रस पीने से उल्टी का वेग रूकता है इससे दिन की तेज धडकन भी नियंत्रित होती है।जामुन का रस में शक्कर मिलाकर पीने से पेचिश के रोगी को तुरंत फायदा होता है।आवाज बैठ जाना, आवाज का मोठी या भारीपन हो जाना तो इसके लिए आप शहद में जामुन की गुठली का पाउडर लेना चाहिए। इससे आवाज का भारीपन दूर होकर साथ आवाज भी साफ हो जाएगी।ठंडे पानी में जामुन को कम से कम 2 घंटे तक भिगोकर रखें।

कैसे बचें वैक्सिंग की सूजन से

आज के समय में बड़ी संख्या में महिलाएं त्वचा से बालों को हटाने के लिए वैक्सिंग का इस्तेमाल करती हैं। एक तरफ जहां वैक्सिंग अनावश्यक बालों को हटाने का सबसे आसान तरीका है, वहीं दूसरी ओर इससे एक छोटी सी समस्या भी पैदा हो जाती है। वैक्स बंप या पिंपल से ज्यादातर महिलाओं को दो चार होना पड़ता है। ज्यादातर मौकों पर इन वैक्सिंग बंप से दर्द नहीं होता है, पर कई बार यह काफी तकलीफदेह हो जाता है। वैक्सिंग बंप के होने के कई कारण हैं। कई बार वैक्सिंग में इस्तेमाल रसायन का त्वचा पर नाकारात्मक असर पड़ता है। साथ हां वैक्सिंग बंप के तापमान सहित और भी कई कारण होते हैं। अगर वैक्सिंग बंप के उपचार से आपको फायदा नहीं हो रहा है, तो आइए हम आपको इससे छुटकारा पाने के कुछ टिप्स बताते हैं। वैक्सिंग क्यूं, कब और क्यूं करें? कैसे बचें वैक?सिंग की सूजन से 1. सॉफ्ट वॉश अगर आप चाहते हैं कि आपको वैक्सिंग बंप की समस्या से न जूझना पड़े तो आप वैक्सिंग के बाद कड़ा स्क्रब बिल्कुल न करें। वैक्सिंग किए हुए स्थान को आप सिर्फ हल्के हाथों से धोएं। यह वैक्सिंग बंप का एक ऐसा उपचार है, जिसे आप आसानी से अपना सकते हैं। 2. सूती कपड़े का

प्रयोग वैक्सिंग बंप के उपचार में आप सूती के कपड़े की भी मदद ले सकते हैं। वैक्सिंग किए हुए स्थान को सूती कपड़े से ढंक दें। त्वचा पर धूल को जमा न होने दें। वैक्सिंग बंप का यह उपचार भी बेहद कारगर है।

हाथों-पैरों में दिख रहे ये लक्षण तो जान लें बढ़ गया है शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल

खराब सेहत के लिए खराब लाइफस्टाइल के साथ अनहेल्दी खानपान जिम्मेदार होता है। जिससे काफी सारी बीमारियां शरीर में पनपने लगती है। वहीं कई ऑर्गंस ठीक से काम करना बंद कर देते हैं। खून में कोलेस्ट्रॉल की ज्यादा मात्रा काफी घातक होती है। इसकी वजह से दिल के काम करने की क्षमता पर असर पड़ता है। वहीं दूसरी शारीरिक दिक्कतें भी होने लगती हैं। लेकिन बैड कोलेस्ट्रॉल शरीर में बढ़ गया है इसका पता किसी एक लक्षण से लगाना मुश्किल होता है। ऐसे में जरूरी है कि शरीर में होने वाली तकलीफ पर नजर रखा जाए। हाथों-पैरों में कई ऐसे लक्षण दिखते हैं जो बताते हैं कि खून में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ गई है। जिसे जानना जरूरी है।

हाथों-पैरों की उंगलियों में दर्द

शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने पर पैरों और हाथों की उंगलियों में दर्द होने लगता है। इसका कारण हैं हाथों-पैरों की लंबी धमनियों में बैड कोलेस्ट्रॉल का जमना। जिसकी वजह से उंगलियों में दर्द होने लगता है।

झनझनाहट और सुन्नपन

बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा जब शरीर में बढ़ जाती है तो हाथों-पैरों में सुन्नपन हो जाता है या फिर झनझनाहट महसूस होती है। इसका कारण है बैड कोलेस्ट्रॉल का खून की सप्लाई को रोक देना। जिसकी वजह से हाथ-पैर कुछ देर के लिए बिल्कुल सुन्न पड़ जाते हैं।

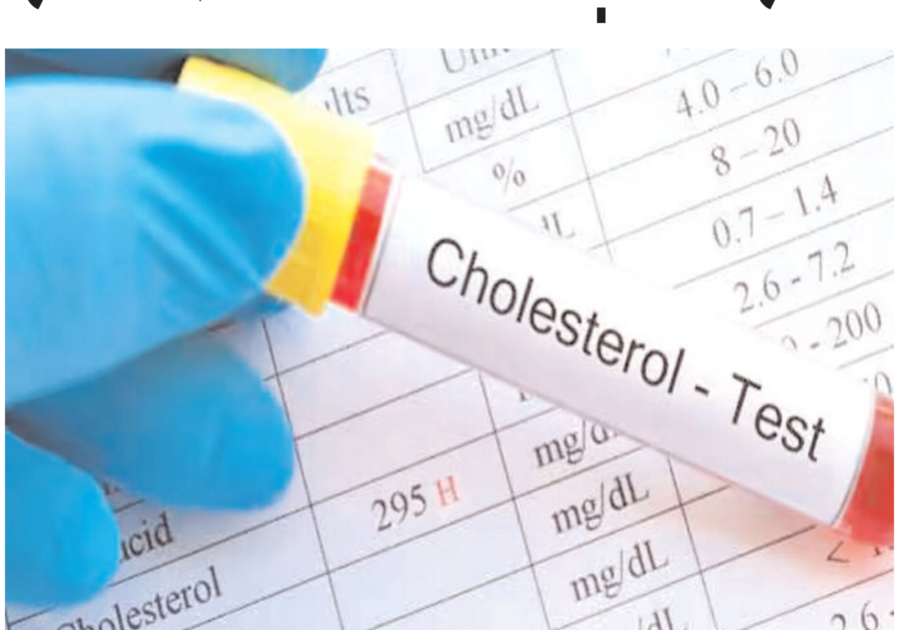

स्किन का कलर चेंज होना

बैड कोलेस्ट्रॉल की वजह से हाथों की हथेलियों का रंग पीला सा दिखने लगता है। जो कि शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की निशानी होता है।

नाखूनों का कलर बदलना

इसके अलावा शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ जाने की वजह से हाथों-पैरों के नाखूनों का रंग बदल जाता है और स्किन का कलर भी पीला सा दिखने लगता है।

हाथों-पैरों की हेयर ग्रोथ

अचानक से बिना वजह के हाथों-पैरों के बाल अगर झडने लगे हों या फिर बहुत कम ग्रोथ हो रही हो तो भी खून में कोलेस्ट्रॉल बढा हुआ होता है।

पैरों में दर्द

बिना वजह के हर वक्त पैरों में दर्द बना रहता है तो इसका कारण खून में कोलेस्ट्रॉल की ज्यादा मात्रा होना हो सकता है।

शरीर में दिख रहे ये लक्षण हो सकता हो सामान्य हो लेकिन अगर ये लक्षण असामान्य से दिख रहे हों तो खून में कोलेस्ट्रॉल की जांच जरूर करवानी चाहिए।

कैरियर की राह में एक कोर्स

करियर की शुरुआत के लिए सही रास्ता क्लियर होना ज़रूरी होता हैं.आप जिस भी फील्ड में अपना करियर बनाना चाहते हो उसकी सारी और सही जानकरी होना ज़रूरी होता हैं.विज़ुअल मर्केंडाइजर का क्षेत्र उन छात्रों के लिए सूटेबल होता हैं जोकि डिजाइनिंग और रिटेल इंडस्ट्रीज में इंट्रेस्टेड होते हैं. जानिए कोर्स से जुडी कुछ बातें-

❑ **विजुअल मर्केंडाइजर का कोर्स**– विज़ुअल मर्केंडाइज़र बनने के लिए प्रोफेशनल क्वालिफिकेशन का होना बेहद ज़रूरी हैं.इस कोर्स के लिए 12 वीं के बाद डिप्लोमा और ग्रेजुएशन कोर्सेज उपलब्ध होते हैं.जिससे की आप अच्छे करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

❑ **प्रोफाइल**– विज़ुअल मर्केंडाइज़र को मर्केंडाइज डिस्प्ले को-ऑर्डिनेटर भी कहा जाता हैं.विज़ुअल मर्केंडाइज़र का काम रिटेल स्टोर्स में स्ट्रैटेजिक प्लेसमेंट कला से प्रोडक्ट को आकर्षित करना होता हैं की वो उस प्रोडक्ट को अधिक से अधिक खरीदे.इसके अलावा विज़ुअल मर्केंडाइज़र को बेसिक रिटेल नॉलेज और स्टाइल का नॉलेज भी होना चाहिए.ताकि वो प्रोडक्ट की बिक्री अधिक से अधिक बढ़ा सके।

❑ **विजुअल मर्केंडाइजर बनने के लिए ज़रूरी स्किल्स** -

1)अच्छी स्केचिंग और कम्प्यूटर एडेड डिजाइन (कैड) स्किल्स

2) कलर थ्योरी और डिजाइनिंग प्रिंसिपल्स का नॉलेज होना चाहिए.

3) अपने प्रोडक्ट, स्टोर की ब्रांडिंग करना आना चाहिए.

4) एम्प्लॉयर व कस्टमर की जरूरतों को समझना ज़रूरी हैं.

5) डिजाइन और रिटेल इंडस्ट्री के करंट ट्रेंड्स के साथ अपडेटेड रहना ज़रूरी हैं.

❑ **जॉब के अवसर**– कोर्स के पूरा होने के बाद कैंडिडेट्स नेशनल और इंटरनेशनल रिटेल स्टोर्स, एयरपोर्ट्स, म्यूजियन, इवेंट प्लानिंग और डिजाइनिंग कंपनीज में काम कर सकते.सेल्फ एम्प्लॉयमेंट का स्कोप भी अच्छा हैं.इन सब के अलावा कंसल्टेंट के रूप में आप अपना काम शुरू कर सकते हैं.

❑ **सैलेरी** – फील्ड में शुरुआत में पैकेज तीन से चार लाख रूपए सालाना का होता हैं.

❑ **संस्थान**– नेशनल इंस्ट्रीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी एशिया-पैसेफिक ऑफ मैनेजमेंट पर्ल एकेडमी ऑफ फैशन मुद्रा इंस्टीट्यूट ऑफ कम्यूनिकेशंस।

क्या आप भी बनाना चाहते हैं टेलीविजन में कैरियर

आज के इस दौर में आपके लिए नए - नए कोर्स जो आपके कैरियर के लिए सहायक होगें काम समय में इन्हें करने के बाद आपको एक अच्छी जॉब मिल सकती हैं ।

आज हमारे समाज और घर-परिवार में शायद ही कोई ऐसा शख्स हो जिसे टेलीविजन की वर्किंग स्टाइल और किरदार पसंद न आते हों लेकिन क्या आपको पता है कि आप अपने पसंदीदा टेलीविजन को करियर के तौर पर भी चुन सकते हैं, मीडिया और टेलीविजन के बढ़ते प्रभाव के बीच आपके पास ऐसे कई मौके हैं कि आप इसमें करियर बना कर मोटी कमाई कर सकते हैं।

इसके मद्देनजर आज मास कम्यूनिकेशन इन टीवी जर्नलिज्म में डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा जैसे कोर्सेस शुरू हुए हैं।

ऐसे कोर्सेस आप कई बहुप्रतिष्ठित संस्थानों व विश्वविद्यालयों से कर सकते हैं. साथ ही दिल्ली के भारतीय विद्या भवन जैसे संस्थान भी कई डिप्लोमा कोर्स चलाते हैं। इन कोर्सेस को करने से आप टेक्निकली दूसरे सामान्य उम्मीदवारों से आगे चले जाते हैं. यहां हम आपके लिए उन तमाम कोर्सेस के नाम सुझा रहे हैं।

- *सेइलेक्ट्रॉनिक मीडिया में डिप्लोमा*
- *सेवीडियो कैमरा व लाइटिंग में डिप्लोमा*
- *सेवीडियो एडिटिंग व साउंड रिकॉर्डिंग में डिप्लोमा*
- *सेप्रोफेशनल फोटोग्राफी में डिप्लोमा*
- *सेएनिमेशन फिल्म मेकिंग में डिप्लोमा wD, xD, & VFX*
- *IT और वेब डिजाइनिंग में डिप्लोमा*
- *DTP और ग्राफिक्स मे डिप्लोमा*

गौरतलब है कि यहां से डिप्लोमा हासिल करना बाजार और तमाम संस्थानों की तुलना में सस्ता भी है और सहूलियत भी है।

चाहते हैं जिन्दगी में आगे बढ़ना तो स्कूल के दिनों से ही करें अपने कैरियर का चुनाव

स्कूल के दिन छात्रों के भविष्य की नींव के समान होते हैं जहां न केवल वे विभिन्न विषयों के बारे में पढ़ते हैं बल्कि अपनी प्रतिभाओं और उसके विकल्पों के बारे में सोच विकसित करते हैं और एक सही दिशा चुनने की कोशिश करते हैं। इसके अलावा, छात्रों का व्यक्तित्व भी एक अहम चीज है जो केवल स्कूल के दिनों में ही विकसित होता है... बाकी कॉलेज और करियर के दिनों में तो व्यक्तित्व की और ज्यादा पोलिशिंग होती है और यह साल दर साल निखरते जाता है । इसलिए स्कूल के दिनों में अच्छी संगति और पढ़ाई हमारे व्यक्तित्व को सकरात्मक तौर पर विकसित करने के लिए काफी जरूरी माने जाते हैं। स्कूल से स्नातक तक की अवधि में कई छात्र अपने करियर के बारे में स्पष्ट होते हैं और वह उस दिशा में ही अपना प्रयास शुरू करते है। लेकिन अपनी पसंद के करियर को चुन कर आगे बढ़ना हमेशा आसान नहीं होता है इसलिए एक बेहतर सुझाव यह है कि अपने चुने हुवे करियर आप्शन में आगे बढ़ने से पहले सभी अहम पहलुओं पर अच्छी तरह से विचार कर लें।सबसे पहले,आप अपने माता-पिता,शिक्षकों,करियर काउंसेलर ,शुभचिंतक,सीनियर्स और अपने करीबी दोस्तों से परामर्श करेंइस तरह के परामर्श में शायद आपको कुछ समय लगे, लेकिन उनसे मिले सुझाव और सलाह आपको सबसे अनुकूल करियर प्लान में आगे बढ़ने में मददगार साबित होंगे । खुद का मूल्यांकन करें - अपनी कमजोरियों और ताकत को सही तरीके से आकने के लिए स्वयं का मूल्यांकन करना जरूरी हैसबसे पहले अपने आप से पूछें कि क्या जो पाठ्यक्रम आप कर रहें हैं या जिस करियर प्लान के अनुरूप आप आगे बढ़ना चाहते हैं, वह आपके लिए अच्छा है भी या नहीं? आप अपने सहकर्मी या अपने दोस्तों को प्यार करते हैं यानि आपकी मित्रता काफी अच्छी है लेकिन इसका यह मतलब नही की आप आँख बंद कर उनकी राह पर ही चल पड़े यहाँ यह कहने का सीधा मतलब यह है कि जो सब्जेक्ट्स या करियर प्लान आपके दोस्त अपने लिए चुन रहें हैं जरूरी नहीं की आप भी उसी दिशा में चले और बस इस कारण क्यूंकि आपका मित्र या आपका सबसे अच्छा दोस्त वह काम कर रहा है और सफल भी हो रहा है क्यूंकि ज़रूरी नहीं जो ओक्यूपेशन उनके लिए सही है वो आपके लिए भी उतना ही सही हो। याद रखें, कोई भी दो व्यक्ति एक जैसे नहीं होते यहाँ तक की दो जुड़वाँ बच्चे भी एक समान नही होते हैं और यह बात दो अच्छे दोस्त और सहपाठियों पर भी लागू होती है। आखिर क्यों जरूरी है करियर काउंसलिंग तथा करियर कोचिंग

मार्केट का सर्वेक्षण करें- सबसे पहले एक सर्वेक्षण करें कि मार्केट में आपके स्टडी प्लान या आपके करियर प्लान के कितने विकल्प हैं किस विश्वविद्यालय या संस्थान में आपके करियर से जुड़े ऑप्शन उपलब्ध हैं या किस क्षेत्र में आपके अनुकूल नौकरी के विकल्प मौजूद हैं सर्वेक्षण करने के फलसवरूप समय का निवेश आपको अच्छा परिणाम देगा क्यूंकि जितना आप विभिन्न विकल्पों के बारे में जानेंगे, उतने ही अच्छी तरहआप अपने लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कर पाएंगेआपका चयन और आपके सर्वेक्षण से मिली जानकारियां ही आपको कामयाब बनाने में परोत्साहित करेंगी। आय और नौकरी से संतुष्टि - सबसे महत्वपूर्ण बिन्दुओं में से एक बिंदु यह भी है कि आपको मिलने वाले वेतन और नौकरी की संतुष्टि के बीच का संतुलन कैसा है?

इसका फैसला केवल आप करेंगे और इस फैसले के परिणाम के जिम्मेदार भी आप ही होंगेऐसे में ये फैसला सोच-समझकर लेना आवश्यक हैइसके लिए आपको ही यह तय करना होगा की आप अपने नौकरी से आय चाहते हैं या संतुष्टि इच्छा एक ऐसी चीज है जोकि कभी भीपूरी नही होती हैहम सबको पता है की जब हम नौकरी बदलते है तो हमारी आय भी बढती है लेकिन वह कुछ दिनों की खुशी होती है और फिर हमारी वही हालत हो जाती है जो पुरानी कंपनी में थी इसलिए केवल आय ही एक फैक्टर नही है।

निष्कर्ष -

स्कूल के छात्रों के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके पास समय है और वे अपने पाठ्यक्रम या अपने करियर गोल्स को तय करने से पहले पूरी तरह सर्वेक्षण कर सकते हैं और एक सही दिशा में आगे बढ़ सकेंछात्रों को अपने उपलब्ध संसाधनों का पूरा उपयोग करना चाहिए और पूरी तरह लाभ उठा कर आगे बढ़ना चाहिए।

IT Career है बेहतर विकल्प

अगर आपकी रूचि IT में हैं तो आप इस क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकते हैं । इस आधुनिक युग में सूचना प्रौद्योगिकी हर क्षेत्र में अपनी खास भूमिका निभा रही हैं। IT के बिना जीवन बिल्कुल ठप्प सा पड़ सकता हैं । शिक्षा पद्धति में आज IT का सबसे अधिक प्रयोग किया जा रहा हैं । बारहवीं के बाद छात्रों के पास आईटी के लिए कई रास्ते खुल जाते हैं। IT संस्थान में आवेदन करने से पूर्व सुनिशित कर लेना की उस संस्थान में शिक्षा किस तरह से दी जाती हैं । अच्छे से पूरी जांच पड़ताल करके ही आवेदन फॉर्म को भरें। ITमें बनाएं कैरियर-जैसे ही छात्र बारहवीं कक्षा की परीक्षा को देते हैं उसके पश्चात उनके मन में विभिन्न-विभिन्न प्रकार की आगे की पढ़ाई को लेकर चिंताए पैदा हो जाती हैं । उन्हें असमंजस सी रहती हैं कि अपना भविष्य बनाने के लिए कौन सी शिक्षा को चुने, क्योंकि आज बारहवीं के पश्चात हमारे लिए दर्जनों कोर्स उपलब्ध हैं। इनमें एक पढ़ाई IT(सूचना प्रौद्योगिकी)भी हैं। अगर आपकी इस क्षेत्र में रूचि हैं तो आप इस क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकते हैं । क्यों ज़रूरी हैं IT का क्षेत्र -इस आधुनिक युग में सूचना प्रौद्योगिकी हर क्षेत्र में अपनी खास भूमिका निभा रही हैं। आज हर जगह हम देख सकते हैं की IT के बिना जीवन बिल्कुल ठप्प सा पड़ सकता हैं । हर छोटे से छोटे कार्य से बड़े से बड़े कार्य को पूरा करने के लिए हमें ITकी आवश्यकता पड़ती हैं । आज हर कोई ITके ऊपर निर्भर हैं । हर बिज़नेस के क्षेत्र में IT का प्रयोग किया जाता हैं । बिज़नेस से जुड़े छोटे से छोटे कार्य IT के ऊपर निर्भर हैं । शिक्षा पद्धति में आज IT का सबसे अधिक प्रयोग किया जा रहा हैं । क्लोउड क्लासेस इसका स्पष्ट उदाहरण हैं ।

दूरस्थ शिक्षा से पाएं कैरियर में कामयाबी

ऐसे युवा जो नौकरी करते हुए या अन्य किसी अन्य कारण से अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते हैं या ऐसे लोग जिनमें लगातार पढ़ने की ललक रहती है, ऐसे लोगों के लिए डिस्टेंस लर्निंग कोर्स (दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम) एक बेहतर विकल्प है। ये ओपन विद्यालय घर बैठे विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम उपलब्ध कराकर उन्हें डिग्रियां प्रदान करने हैं। इंदिरा गांधी ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) दूरस्थ शिक्षा का देश में सबसे बड़ा संस्थान है। इसके अलावा भी कई प्रायवेट संस्थान हैं जो स्टूडेंट्स को डिग्रियां प्रदान करते हैं। इन विश्वविद्यालय या संस्थानों को यूजीसी द्वारा मान्यता भी प्राप्त होती है। कैसे होती है पढ़ाई- स्टूडेंट जिस भी कोर्स में प्रवेश लेते हैं, उस कोर्स का पाठ्यक्रम डाक या कूरियर द्वारा उसके पास भेज दिया जाता है। इनके कई बड़े शहरों में संपर्क केंद्र होते हैं, जहां कुछ दिनों की क्लास लगाकर पढ़ाया भी जाता है। इसके अलावा जिन शहरों में केंद्र नहीं होते वहां पर टेलीकॉन्फेंसिंग के जरिए पढ़ाया जाता है। कम्यूटर पर ऑनलाइन पर स्टडी मटेरियल उपलब्ध रहता है। कोर्स- इन डिस्टेंस लर्निंग सेंटर में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री और पीजी और मैनेजमेंट कोर्स चलाए जाते हैं। कई डिस्टेंस लर्निंग सेंटर प्रोफेशनल कोर्स भी चलाते हैं जो रोजगार देने वाले होते हैं। जैसे जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, लाइब्रेरी साइंस, नर्सिंग कोर्सेस, कम्प्यूटर कोर्सेस आदि। प्रवेश में क्या रखें सावधानी- एडमिशन से पहले कोर्स के बारे में संपूर्ण जानकारी लें। कोर्स की फीस, एक्जाम पैटर्न, कोर्स की किन विषयों में है आदि। सबसे महत्वपूर्ण बात विश्वविद्यालय या संस्थान यूजीसी से मान्यता प्राप्त है या नही, इसकी भी खोजबीन कर लें।

नौकरी ढूंढ रहे हैं तो चिंता न करें, गूगल करेगा आपकी मदद बस करना होगा यह काम

हायर आपके लिए प्रतिभा को पहचानने, उम्मीदवार के साथ मजबूत संबंध बनाने तथा साक्षात्कार प्रक्रिया के लिए प्रभावी प्रबंधन मुहैया कराता है.

नौकरी ढूंढ़ रहे हैं तो चिंता न करें, गूगल करेगा आपकी मदद बस करना होगा यह काम

नौकरी खोजने, देने वाली कंपनियों की करेगा मदद। माइक्रोसॉफ्ट के स्वामित्व वाले लिंक्डइन से प्रतिस्पर्धा में गूगल ने भर्ती एप 'हायर' लांच किया है, जो छोटे और मध्यम आकार की कंपनियों के लिए है. यह एप जी सुईट के साथ बाधारहित तरीके से एकीकृत हो सकता है. गूगल क्लाउड के वरिष्ठ उत्पाद प्रबंधक बेरिट जॉनसन ने मंगलवार को एक ब्लॉग में

लिखा, 'हायर आपके लिए प्रतिभा को पहचानने, उम्मीदवार के साथ मजबूत संबंध बनाने तथा साक्षात्कार प्रक्रिया के लिए प्रभावी प्रबंधन मुहैया कराता है.."हायर' बाधारहित तरीके से जी सूइट के एप जैसे जीमेल और गूगल कैलेंडर के साथ जुड़ जाता है,

जिसका प्रयोग 30 लाख से ज्यादा व्यवसायों में भर्ती की प्रक्रिया में किया जाता है। जॉनसन ने कहा, %हायर और जी सूइट को एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने के लिए बनाया गया है, ताकि भर्ती दल के सदस्य अपनी मुख्य प्राथमिकता पर ध्यान दे सकें। बजाए इसके कि वे विभिन्न टूल्स के बीच कॉपी-पेस्ट करने में वक्त बरबाद करें. उम्मीद है कि गूगल का यह नया एप नौकरी ढूंढने वाले और नौकरी देने वाले संस्थानों को काम आएगा।

अच्छा अप्रेजल पाना है तो जरूर करें ये 5 काम

एक बात हमेशा ध्यान रखने की जरूरत है कोई भी बॉस या ऑफिस कोल्हू के बैल की तरह काम करने वाले कर्मचारी नहीं चाहता है. स्मार्ट वर्क वालों की जरूरत है. ऑफिस सरकारी हो या कारपोरेट अगर आप काम प्लानिंग और समय के साथ निपटा रहे हैं तो हमेशा सीनियर के चहेते बने रहेंगे इसका फायदा अप्रेजल के समय जरूर मिलेगा. इसके साथ ही आप कभी अपने काम से बोर भी नहीं होंगे. एक बात हमेशा ध्यान रखने की जरूरत है कोई भी बॉस या ऑफिस कोल्हू के बैल की तरह काम करने वाले कर्मचारी नहीं चाहता है. हर कोई यही चाहता है कि उसका सहयोगी स्मार्ट काम करे और कम से कम समय में कंपनी को फायदा पहुंचाए. स्मार्ट इंप्लायी बनने के लिए कुछ अलग से करने की जरूरत नहीं है बस 5 बातें ध्यान रखने की जरूरत है जिन्हें ऑफिस छोड़ने से पहले जरूर निपटा लें।

1- अगले दिन होने वाले कामों को डायरी में जरूर नोट करें. इससे आपको जरूरी बातें याद रहेंगी और आपके पास बॉस के हर सवाल का जवाब होगा. 2- ऐसे कामों की भी सूची बनाएं जो कम महत्वपूर्ण हैं और उसी के हिसाब से अगले दिन की प्लानिंग करें. इसमें यह जरूर ध्यान रखें कि जो सबसे जरूरी काम है उसको सबसे ऊपर रखें. 3- ऑफिस छोड़ने से पहले अपना हैंडओवर जरूर तैयार करें और उसको अपने सहयोगियों को गुड बॉय बोलते हुए जरूर ब्रीफ करें. 4- काम खत्म करने के बाद अपने जरूरी कागजात संभाल कर रखें और अपना सिस्टम ध्यान से बंद करें. 5- आखिरी में सबसे जरूरी काम यह है कि अगले दिन की प्लानिंग जरूर कर लें कि सबसे पहला क्या काम करना है और क्या टारगेट है. अगर यह काम आप करते हैं तो ऑफिस में सबसे ज्यादा आत्मविश्वास आपको ही रहेगा।

गोवर्धन पर्व : विशेष चिंतन आलेख

चलते–फिरते देवालय गाय की पीड़ा

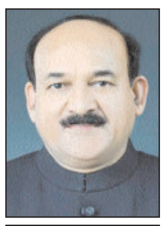

– विजय मिश्रा 'अमित'

पांच दिवसीय महापर्व दीपावली की छुट्टियों में गांव गया हुआ था।बचपन की यादों में खोया खेत खलिहान, तालाबों को ताकते हुए दिन मजे से बीत रहे थे। गए। दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पर्व पर गायों की पूजा करने के उपरांत खिचड़ी संग पारम्परिक सब्जी कद्दू और सुरन का स्वाद उंगलियों को चाट चाट कर लिया।

भोजनोपरांत रात के समय घूमने की आदत के मुताबिक खा पीकर टहलने निकल गया। स्वच्छ शांत ग्रामीण वातावरण में डूबा हुआ टहलते टहलते गांव के बाहर शहर जाने वाली सड़क पर जा पहुंचा।

तभी मेरी नजर थोड़ी दूरी पर चमकती हुई कोई चीज़ पर पड़ी।क्या हो सकता की जिज्ञासा में दबे पांव आगे बढ़ा तो देखा कि अनेक गायें वहां एकत्रित हैं,और उन सबकी आंखें अश्रुपुरित थीं।

बालपन से गायों के संग खेलते कूदते बड़ा हुआ था,अतः बिना भयभीत हुए उनके करीब जा पहुंचा।मुझे भी देखकर न तो वे डरी और ना ही भागी।बस अपलक ताकती रहीं।शायद उन्होंने परख लिया था कि ए आदमी गऊ जैसा सीधा है।

एक खूबसूरत सफेद बछिया को पुचकारते हुए मैंने उसकी महतारी गऊ माता से पूछा –गऊ माता, आज तो गोवर्धन त्योहार है। लोगों ने तुम्हें बढ़िया नहला धुला करके, सजा धजा करके पूजा पाठ किया है।हलूवा पूरी, खिचड़ी का भोग लगाया है।ऐसे गोवंश हितैषी पर्व पर तुम्हें कौन सा दुःख चुभ रहा है?कौन सी पीड़ा तुम्हें खाए जा रही है? जिसकी मार सहते तुम सब यहां एक दूसरे की पीड़ा हरने जमा हुए हो।

मेरी बात को सुनकर एक मोटा काला भयानक सिंगधारी बैल मुझे मारने की मंशा लिए आगे बढ़ा। फिर बोला–काहे का गोवर्धन पर्व ,काहे की पूजा?बस एक ही दिन का दिखावा है। मनुष्य के तो दो दांत होते हैं।खाने के अलग और दिखाने के अलग।सही में हमारा मान सम्मान करना होता तो कम से कम आज तो घर में रखते।अपने स्वार्थ को पूरा करने मनुष्य हमारी पूजा करता है।स्वार्थ सधने के बाद दूध में गिरे मक्खी की तरह बाहर खदेड़ देता है।देख तो रहे हो हमारे माथे पर लगा टीका साक्षी है

> एक खूबसूरत सफेद बछिया को पुचकारते हुए मैंने उसकी महतारी गऊ माता से पूछा –गऊ माता, आज तो गोवर्धन त्योहार है। लोगों ने तुम्हें बढ़िया नहला धुला करके, सजा धजा करके पूजा पाठ किया है।हलूवा पूरी, खिचड़ी का भोग लगाया है।ऐसे गोवंश हितैषी पर्व पर तुम्हें कौन सा दुःख चुभ रहा है?कौन सी पीड़ा तुम्हें खाए जा रही है? जिसकी मार सहते तुम सब यहां एक दूसरे की पीड़ा हरने जमा हुए हो।

कि पूजा के बाद हमें खदेड़ दिया गया है।

उसकी बातें सुनकर एक लाल गाय अपनी पूंछ खड़े करके बोली–जितना खिलाते नहीं उससे ज्यादा तो पके आम की तरह हमें चूस लेते हैं।वह लम्बी सांसे छोड़ते आहें भरते हुए आगे बोली –आज सुबह की ही बात है।मेरा नवजात बछड़ा मेरा दूध पी रहा था।तब कसाई की तरह रुप धारण करके मेरा मालिक बछड़े के कोमल कान को खींचते मुझसे दूर ले गया। बां.. बां.. करते कलपते मेरे पिलवा को कड़क रस्सी में कसकर बांध दिया।मासूम बछड़े की पीड़ा से भी उसका दिल नहीं पसीजा।

हां हां दीदी, सही कह रही हो। कहते हुए एक चितकबरी गाय बोली– तुम्हारी तरह मेरा भी मालिक महाकसाई है। बड़ी बाल्टी भर भर रोज सुबह शाम दूध देती हूं, फिर भी ओ लालची और ज्यादा दूध की चाहत में न जाने कौन सी दवाई सूई में डालकर हब्ब से मेरे शरीर में घुसा देता है।मेरी रूह कांप जाती है। मैं पीड़ा से बिलबिला जाती हूं।

उसकी पीड़ा सुनकर एक पढ़ा–लिखा सा बछड़ा बोला– बड़ी माई तुम जिस दवा की बात कर रही हो उसे डाइक्लोफेनिक इंजेक्शन कहते हैं।सच तो यही है कि वो दवा गायों के साथ ही मनुष्यों के लिए ख़तरनाक है।और तो और जिस गाय भैंस को रोज ए दवा इंजेक्शन लगता है उसका शरीर भी जहर से भर जाता है। ऐसे गाय भैंस की मृत्यु उपरांत उसके शरीर को खाने वाले जीव जन्तु जैसे कि गिद्ध,कौवा,कुत्ते,सियार भी काल के गाल में समा जाते हैं।यही वजह है आजकल ऐसे कितने जीव जन्तु विलुप्त हो गए हैं,और मनुष्य भस्मासुर बनते जा रहा है।

उनकी गंभीर बातें सुनकर मैं भी चिंता में डुब गया। मैं उन्हें ढांढस देते हुए बोला –गऊ माता धीर में खीर है,अतः धीरज रखें।अति का अंत तो होता ही है।मुझे भी भरोसा है कि इंसान की मति में भी परिवर्तन होगा।उनके साथ बातचीत समाप्त करके मैं घर लौटते लौटते सोचने लगा कि वेद पुराण में गायों को चलते फिरते देवालयों का नाम दिया गया है।इनकी दुर्दशा और मत होने देना ईश्वर।गाय पालना छोड़कर स्वान पालने में लीन मनुष्य को सद्बुद्धि देना।

(पूर्व अति महाप्रबंधक (जन) अग्रोहा सोसायटी, पोआ-सुंदर नगर रायपुर (छग) मो.9893123310)

बारिश के चलते रद्द हुआ सेमी फाइनल मैच तो क्या होगा?

वनडे वर्ल्ड कप 2023 की चार सेमीफाइनलिस्ट टीमें भारत, साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड हैं। टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मैच भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की टीमें भिड़ेंगी। अगर इनमें से कोई भी मैच बारिश में धुल जाता है तो क्या होगा आइए हम आपको बताते हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के खेला जाने वाला मैच 15 नवंबर को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होगा। वहीं, दूसरा सेमीफाइनल 16 नवंबर को कोलकाता के ईडन गार्डन स्टेडियम में होगा। बता दें कि ICC ने इन सेमीफाइनल मैचों और फाइनल के लिए रिजर्व–डे रखा है। ऐसे में अगर सेमीफाइनल मुकाबलों के दौरान बारिश आती है मैच को अगले दिन यानी रिजर्व डे में भी पूरा कराया जाजा सकता है।

रिजर्व डे पर भी हुई बारिश तो कौन जितेगा ?

दि रिजर्व डे में भी बारिश आती है और मैच पूरी तरह धुलता है तब कौनसी टीम को जीत दी जाएगी आइए बताते हैं। अगर रिजर्व डे पर भी बारिश के चलते मैच नहीं हो पाता है तो उस स्थिति में नियम यह है कि लीग स्टेज की प्वॉइंट्स टेबल में दोनों टीमों की पोजिशन देखी जाएगी और टेबल में ऊपर रहने वाली टीम फाइनल में पहुंच जाएगी। ऐसे में अगर भारत–न्यूजीलैंड मैच रद्द होता है को टीम इंडिया फाइनल में पहुंच जाएगी, क्योंकि वह प्वॉइंट्स टेबल में टॉप पर है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया–साउथ अफ्रीका वाले सेमीफाइनल में यह फायदा नंबर–2 पर रहने वाली अफ्रीकी टीम को मिलेगा।

दोनों सेमीफाइनल मैच में कैसा रहेगा मौसम?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 15 नवंबर को मुंबई में भारत और न्यूजीलैंड के बीच के दौरान बारिश की संभावना सिर्फ 1 प्रतिशत है। ऐसे में इस मैच पर बारिश का खतरा दिखाई नहीं दे रहा है। वहीं, 16 नवंबर को कोलकाता का मौसम भी साफ बताया जा रहा है और बारिश की संभावना सिर्फ 2 प्रतिशत है।

पाकिस्तान पहुंचते ही टीम में मचा हाहाकार! कोच ने दिया इस्तीफा

वनडे वर्ल्ड कप 2023 पाकिस्तान की टीम के लिए काफी खराब रहा। वह इस बार भी सेमीफाइनल तक पहुंचने में नाकाम रही। बाबर आजम की कप्तानी में टीम ने 9 में से सिर्फ 4 मैच जीते और टूर्नामेंट से बाहर हो गई। पाकिस्तान टीम इस टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद अपने घर पहुंच गई। पाकिस्तान पहुंचते ही टीम के एक दिग्गज ने बड़ा फैसला लिया है। इस दिग्गज ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

पाकिस्तान टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बता दें इस बार वर्ल्ड कप में पाकिस्तानी गेंदबाजों का काफी बुरा हाल था और वह हार का सबसे बड़ा करण बने थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी ने प्रेस रिलीज जारी करते हुए इस बात की जानकारी दी है। साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्केल ने यह पद इसी साल जून में संभाला था। उनका पाकिस्तान टीम के साथ 6 महीने का करार था।

कब होगा नए गेंदबाजी कोच का ऐलान ?

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अभी मोर्ने मोर्कल के रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया है। बोर्ड ने बताया है कि वह उचित समय पर उनके रिप्लेसमेंट की घोषणा करेगा। अब आने वाले कुछ दिनों में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सपोर्ट स्टाफ में कुछ और बदलाव देखने को मिल सकते हैं। अब पाकिस्तान क्रिकेट टीम को अपनी अगली सीरीज ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेलनी है. यह दौरा 14 दिसंबर से होगा. इस दौरान पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच 3 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। ऐसे में इस सीरीज से पहले नए गेंदबाजी कोच पर फैसला लिया जा सकता है।

इन गेंदबाजों ने किया काफी खराब प्रदर्शन

मौजूदा समय में पाकिस्तान के सबसे तेज गेंदबाज माने जाने वाले हारिस रऊफ के लिए ये टूर्नामेंट सबसे खराब रहा। उन्होंने वर्ल्ड कप के एक संस्करण में सबसे ज्यादा रन देने को शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम किया। हारिस रऊफ ने इस साल वर्ल्ड कप में 9 मैच खेलते हुए 533 रन खर्च किए। वहीं, शाहीन अफरीदी भी पूरी तरह फ्लॉप रहे। उन्होंने 481 रन खर्च किए।

वास्तु से समाधान

– पं. देव नारायण शर्मा (वास्तु सलाहकार)

– दैनिक दैनन्दिनी https://www.dainandini.in

अगर वैवाहिक जीवन में कोई अवरोध या दिक्कतें हैं तो नैऋत्य कोण को देखिए

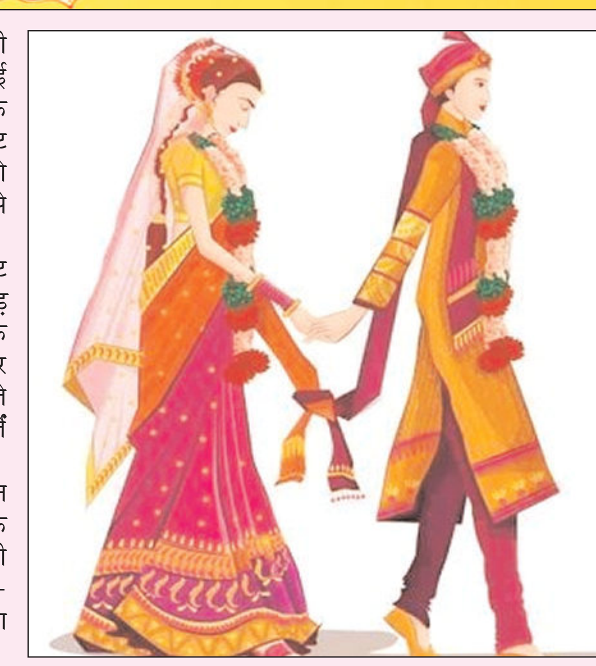

कोई सालों दोस्ती निभाने के बाद, तो कोई एकदम अनजान चेहरे के साथ, जब रिश्ते के अटूट बंधन में बंधते हैं, तो उनकी दुनिया पहले से काफी बदल जाती है।

कई चीजें पीछे छूट जातीं हैं, तो कई नई जुड़ जातीं हैं। एक–दूसरे के प्रति जिम्मेदारी और वफादारी वैवाहिक रिश्ते की सबसे महत्वपूर्ण शर्तें हैं।

विवाह के पवित्र बंधन में बंधने के लिए उम्र के साथ आपसी समझ भी बहुत जरूरी है और एक–दूसरे की बातों को सुनना एवं समझना भी।

इसलिए अपनी जरूरतों और उसके महत्व को समझें और एक खुशहाल वैवाहिक जीवन जिएं।

अक्सर देखा जाता है कि शादीशुदा जोड़े कई चीजों को लेकर समझौता नहीं करते, लेकिन आपको यह समझना होगा कि रिश्ते में छोटी–छोटी बातों पर समझौता करना कमजोरी की निशानी नहीं है।

बल्कि यह इस बात को दिखाता है कि आप अपने अहम से ज्यादा, आपसी रिश्ते को महत्व देती हैं। इस रिश्ते को ज्यादा मीठा या ज्यादा नमकीन नहीं, बल्कि थोड़ा खट्टा, तो थोड़ा मीठा बनाएं।

अगर हम एकदूसरे को प्यार करते हैं तो एक दूसरे को देना सीखें । प्यार लेने की बजाय प्यार देना सीखें ।

वास्तु शास्त्र में वैवाहिक जीवन

नैऋत्य कोण विवाह और प्रेम सम्बन्धों का कोना होता है इसलिए इस कोण को दूषित ना करें–

नैऋत्य कोण में सेप्टिक टैंक होना अत्यंत नुकसानदायक माना गया है ।

वास्तुशास्त्र के अनुसार नैऋत्य कोण सबसे ऊंचा और सबसे भारी होना चाहिए ।

नैऋत्य कोण में सेप्टिक टैंक का गड्ढा करने से ऊँचा और भारी होने का नियम भंग हो रहा है ।

इस कोण में सेप्टिक टैंक होने से स्वास्थ सम्बन्धी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है ।

नैऋत्य कोण में सेप्टिक टैंक होने से धन की भी हानि होती है ।

नैऋत्य कोण में सेप्टिक टैंक होने से घर ,फेक्ट्री ,दुकान या ऑफिस में आय से अधिक व्यय होता है ।

नैऋत्य कोण में सेप्टिक टैंक होने से से पति और पत्नी के सम्बन्धों में खटास देखा गया है ।

नैऋत्य कोण में सेप्टिक टैंक होने से आफिस में कर्मचारियों में आपसी सम्बन्ध खराब देखे गए है ।

नैऋत्य कोण में सेप्टिक टैंक होने से घर में पारिवारिक जीवन दुखमय हो जाता है ।

नैऋत्य कोण में सेप्टिक टैंक होने से वैवाहिक जीवन का कोना भी दूषित होता है इसीलिए योग्य होते हुए भी घर में लड़के और लड़कियों की शादी नही हो पाती ।

एक दीप से दो दिवाली के संकल्प के साथ अद्भुत पहल– दीदी कामवाली

इंदौर। भारत की अग्रणी रीजनल पीआर संस्था, पीआर 24×7 की पहल दीदीकामवाली वर्ष 2020 से लगातार लोगों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनी हुई है। हमारे समुदाय द्वारा वर्षभर मेहनत और लगन से काम करने वाली दीदियों को सम्मान दिए जाने के उद्देश्य से इस कैंपेन की शुरुआत की गई थी, जिसे बड़ी संख्या में लोगों का समर्थन मिला। हर वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी इस पहल को लेकर सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। पीआर 24×7 सभी से यही अनुरोध करता है, कि सिर्फ घर में काम करने वाले ही नहीं, बल्कि हमारे गली–मोहल्ले और आसपास के क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों का सम्मान करें; यथासंभव जो भी उनके लिए बेहतर कर सकते हैं, कृपया करें; उन्हें ऐसा महसूस न कराएँ कि वे हमसे कमतर हैं। आखिरकार, वे हमारा ही ख्याल रखते हैं। इसे सही मायने एक दीप से दो दिवाली कहना गलत नहीं होगा।

इस पहल पर अपने विचार रखते हुए, अतुल मलिकराम, फाउंडर, पीआर 24×7, ने कहा, दिवाली आने के लगभग एक महीने पहले से ही हमारे घरों में सफाई आदि का सिलसिला शुरू हो जाता है, कई तरह का सामान और बर्तन आदि साफ करने के लिए निकलते हैं। कभी हमें घर के इस कोने में धूल दिखने लगती है, तो कभी उस कोने में। उनके हर दिन के काम के अतिरिक्त हम उन्हें थोड़ा–थोड़ा काम देते चले जाते हैं, कभी चार बड़े–बड़े बर्तन धोने को उनके सामने रख देते हैं, तो कभी उन्हें दीवारों पर लगे जाले और धूल साफ करने में लगा लेते हैं। हमें उस समय यह भी याद नहीं रहता कि वे हमारे जैसे और दस घरों में भी काम करती हैं। और मैं मानता हूँ कि सभी घरों में दिवाली के महीने में उनके साथ यही सब होता होगा। शायद ही कोई सोचता होगा कि उनके घर भी दिवाली है, साफ–सफाई करने की जरुरत तो उन्हें भी होती होगी। यह उनका बड़प्पन ही है, जो हमारे घरों को सँवारने और हमारा ख्याल रखने में वे अपना और अपने घर का ख्याल रखना भूल ही जाती हैं, और यह सच है, जो हमें स्वीकारना होगा।

वे आगे कहते हैं, काम वाली दीदियों की कीमत हमें उस दिन समझ आती है, जिस दिन वे किसी कारणवश छुट्टी ले लेती हैं। एक दिन ज्यादा काम करके, थक–हारकर भी हमें उन पर दया कम और गुस्सा अधिक आता है, क्योंकि हमें एक दिन काम करना पड़ा। उनका महत्व समझें। साथ ही, मैं सभी से यही अनुरोध करता हूँ कि उनका वर्ष भर ख्याल रखें, जो हर दिन आपका ख्याल रखती हैं।

गौरतलब है कि इस पहल के तहत विगत वर्ष भी भारत की आम जनता से हमारे परिवार का ख्याल रखने वाली दीदियों को सम्मानित करने के लिए सोशल मीडिया पर #DIDIKAAMWALI के साथ अपनी प्रोफाइल फ्रेम सेट करके उन्हें सपोर्ट किया गया था। और साथ ही यह भी अपील की गई थी कि उनके काम की गरिमा का सम्मान करें, क्योंकि वे अपना घर छोड़कर आपका घर सँवारने आती हैं। इस मुहीम को देश के लोगों ने भी दिल से अपनाते हुए #DIDIKAAMWALI को काफी सपोर्ट किया और आगे अपने परिजनों के साथ फॉरवर्ड भी किया। आप सभी से अनुरोध है कि इस बार की दिवाली भी #दीदीकामवाली के नाम करें और उन्हें वर्ष भर सम्मान देने के संकल्प के साथ न सिर्फ उनकी दिवाली, बल्कि उनके जीवन को भी रोशन बनाएँ। कैंपेन का हिस्सा बनें और इस हैशटैग के साथ अपना फोटो पोस्ट करें, और साथ ही उनका ख्याल रखें, जो वर्षभर आपका ख्याल रखती हैं।

गरीबों की योजनाओं को रेवड़ी बताने वाले अब खुद वादा करने को मजबूर : कांग्रेस

रायपुर ››दैनन्दिनी.

कांग्रेस ने कहा कि हमारे पिच पर भाजपा खेलने को मजबूर हो गयी है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस ने किसानों को उनकी फसल की पूरी कीमत देने के लिये 3200 रू. धान की कीमत देने की घोषणा किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबों के लिये चलाये जा रही योजना को मुफ्त की रेवड़ी बताते रहे है आज भाजपा अपने घोषणा पत्र में की जा रही योजनाओं को उन्हीं मोदी की गारंटी की दुहाई दे रही है। जो मोदी अपने उद्योगपति मित्रों का हजारों करोड़ का ऋण माफ कर रहे है उन्हें गरीबों के लिये चलाने वाली योजना मुफ्त की रेवड़ी लगती है। भाजपा के द्वारा अपने घोषणा पत्र को मोदी की गारंटी बताने का मतलब ही यही है कि भाजपा उसको पूरा नहीं करेगी इसकी गारंटी है। जो लोग धान पर बोनस देने का विरोध करते थे, जो लोग भूपेश सरकार के 2500 रू. देने का विरोध कर रहे थे, अब स्वयं धान की कीमत अपने घोषणा पत्र में घोषित करने को मजबूर हो गये है।

सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस जनता के लिये चलाई जा रही योजनाओं को लोकतंत्र में जनता को मजबूत बनाने का तरीका मानती है। कांग्रेस का मानना है कि प्रगति की दौड़ में पिछड़े वर्गों को विशेष रियायत देकर उनको बराबरी में लाकर खड़ा करना, हर लोकतांत्रिक सरकार का कर्तव्य है यही कारण है कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में सभी वर्गों को ध्यान में रखा है। कांग्रेस

के घोषणा पत्र में शहरी और ग्रामीण दोनों का ध्यान रखा गया है। कांग्रेस ने घोषणा पत्र में 200 यूनिट तक फ्री बिजली का लाभ प्रदेश के लगभग 50 लाख परिवारों को मिलेगा। मतलब प्रदेश की आधी से अधिक आबादी की बिजली मुफ्त हो जायेगी। अभी तक गरीबी रेखा के नीचे के लोगों को 5 लाख तक मुफ्त इलाज मिलता था तथा अन्य वर्ग के 50 हजार तक इलाज की सुविधा थी। कांग्रेस की सरकार बनने पर गरीबी रेखा के नीचे वालों को 10 लाख तक तथा अन्य सभी वर्ग के लोगों को 5 लाख तक इलाज की मुफ्त सुविधा दी जायेगी।

बड़ी बीमारियों में कांग्रेस की सरकार बनने पर 25 लाख तक इलाज बिना किसी भेदभाव के सभी को मिलेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणा में छत्तीसगढ़ में सभी प्रकार की शिक्षा नर्सरी से लेकर पोस्ट ग्रेजुएट तक सभी वर्ग के लिये निःशुल्क करने का वादा किया है। इससे प्रदेश के हर वर्ग के लोगों को शिक्षा पर होने वाला खर्च बचेगा। छत्तीसगढ़ देश का अकेला ऐसा प्रदेश होगा जहां मेडिकल, इंजीनियरिंग तथा आईटीआई की शिक्षा भी मुफ्त होगी। कांग्रेस की सरकार बनने के बाद गरीबी रेखा की उज्जवला की बहनों को कांग्रेस सरकार बनने पर मात्र 107 रू. में सिलेंडर मिलेगा तथा सभी वर्ग के लोगों को पूरे देश में सबसे सस्ता 474 रू. के लगभग रसोई गैस छत्तीसगढ़ में मिलेगी। भाजपा ने गरीबी रेखा के नीचे वालों को 500 रू. में सिलेंडर का दावा कर रही, कांग्रेस ने सभी वर्ग के लोगों को 500 रू. की राहत देने का वायदा किया है। कांग्रेस किसानों की कर्जा माफी के साथ 3200 रू. में धान खरीदी करेगी। इससे गांव के रास्ते शहरों में समृद्धि आयेगी।

70 में से 55-60 सीट जीतकर बनाएंगे सरकार : दीपक बैज

रायपुर ››दैनन्दिनी.

छत्तीसगढ़ विधानसभा के पहले चरण के संपन्न होने के बाद अब राजनीतिक दल दूसरे चरण के चुनाव के लिए जुट गए हैं. प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज ने दूसरे चरण के चुनाव को लेकर कहा कि कांग्रेस मजबूती के साथ चुनाव लड़ रही है. हम 70 में से 55 से 60 सीट

जीतकर आएंगे और छत्तीसगढ़ में सरकार बनायेंगे. गृह लक्ष्मी योजना की घोषणा पर भाजपा के बयान पर दीपक बैज ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में हमने बेहतर काम किया है. भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं, वे बौखलाहट में ऐसी बयानबाजी कर रहे हैं. क्या एक मुद्दे को लेकर चुनाव जीतेगी भाजपा. हिम्मत है तो इन घोषणाओं को पूरे देश में लागू करें. ये जुमला है. कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व के दौरे पर भाजपा के बयान को लेकर बैज ने कहा कि हमारे नेता सिर्फ चुनाव के लिए नहीं आते. 5 साल की सरकार में हमने जब समय मांगा उन्होंने दिया. भाजपा के नेता छत्तीसगढ़ नहीं आए. केंद्र ने योजनाओं को लटकाने का काम किया. झूठ बोलने का काम किया. वहीं पीएम मोदी के दौरे पर दीपक बैज ने कहा कि भाजपा डर गई है. हार मान गई है. पीएम मोदी पहले कितनी बार छत्तीसगढ़ आए?चुनाव के समय वे छत्तीसगढ़ आ रहे हैं.

बस ने बाइक सवार को कुचला, मौत

रायपुर ››दैनन्दिनी.

रायपुर के कुशालपुर वॉलफोर्ट सिटी के सामने हुए सड़क हादसे में युवक की मौके पर मौत हो गई। महेंद्रा ट्रेवल्स की तेज रफ्तार सवारी बस ने बाइक सवार युवक को रौंदा है। आक्रोशित स्थानीय रहवासियों ने सड़क पर चक्काजाम कर सवारी बस में पथराव कर दिया। गाड़ी के कांच तोड़ दिए गए। घटना के समय बस में सवारी सवार थे। पुरानी बस्ती थाना इलाके की घटना। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बाइक सवार युवक कुशालपुर निवासी विक्की तिवारी उम्र 27 साल की सड़क हादसे में मौत हो गई है। बस चालक को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस की समझाइश के बाद जाम को खुल गया है।

छत्तीसगढ़ में गिरेगा पारा

रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब ठिठुरन और बढ़ने वाली है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ गुजर गया है और उत्तर से ठंडी हवाओं का आना शुरू हो गया है। इसके प्रभाव से अब न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी और ठंड बढ़ेगी। आने वाले तीन दिनों तक न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि ठिठुरन अब और बढ़ने वाली है।शनिवार को प्रदेश भर में डूमरबहार सबसे ठंडा रहा। कृषि विज्ञान केंद्र डूमरबहार में न्यूनतम तापमान 13.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उत्तर से आने वाली ठंडी हवाओं के प्रभाव से अब ग्रामीण क्षेत्रों के साथ ही आउटर में ठंड ज्यादा बढ़ने लगी है। रात के सात ही सुबह सुबह ठंड का असर ज्यादा है। दुर्ग और जगदलपुर में न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री

नीचे रहा और रायपुर में न्यूनतम तापमान 20.3 डिग्री रहा,जो सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि अब आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में गिरावट ही आएगी और ठंड बढ़ने वाली है। मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा ने बताया कि रविवार 12 नवंबर को पश्चिमी विक्षोभ गुजर जाएगा और उत्तर से ठंडी हवाएं शुरू हो जाएंगी। मौसम विभाग के अनुसार न्यूनतम तापमान में गिरावट शुरू होगी और ठंड

पहले चरण से स्पष्ट, तीन चौथाई बहुमत से फिर बन रही कांग्रेस सरकार : कुमारी सैलजा

रायपुर ››दैनन्दिनी.

प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने राजीव भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहा कि पहले चरण के मतदान के बाद यह स्पष्ट हो गया कि राज्य में तीन चौथाई बहुमत से कांग्रेस की सरकार बन रही है। पहले चरण की सभी 20 सीटें कांग्रेस जीतेगी। राजनांदगांव में डॉ. रमन सिंह भी चुनाव हार रहे है। दूसरे चरण के मतदान के बाद हम अपने 75 सीटो के लक्ष्य को जरूर पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि हम पूरे चुनाव को सकारात्मक तरीके से लड़े। हमारा प्रयास था कि हम अपने कामों के आधार पर जनता से वोट मांगे। हमारी सरकार ने पिछले पांच सालों में जो काम किया था हमारे वोट मांगने का वही बड़ा आधार था। हमारी सरकार ने किसान, मजदूर, युवाओं, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति को सशक्त बनाने के लिये ठोस योजनायें बनाकर प्रभावी क्रियान्वयन किया। ऋण माफी, धान खरीदी, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, मजदूर न्याय योजना, स्वामी आत्मानंद स्कूल, खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना ने छत्तीसगढ़ की तस्वीर बदली। हमने 5 सालों में बेरोजगारी, गरीबी के खिलाफ लड़ाई लड़ी जिससे प्रदेश की 40 लाख आबादी गरीबी रेखा से ऊपर आ गयी। हमारी सरकार के उत्कृष्ट काम ही थे जो लोग आज चुनाव में हमारे खिलाफ झूठ उछाल रहे है उनकी केंद्र सरकार ने हमें 65 पुरस्कार दिये।

कांग्रेस महिलाओं को देगी 15000 रू. सालाना-कुमारी सैलजा ने कहा कि दीपावली के शुभ अवसर पर लक्ष्मी पूजा के दिन कांग्रेस पार्टी ने महिलाओं के लिये ÷छत्तीसगढ़ गृह लक्ष्मी योजना÷ लांच करने का निर्णय लिया। हमारी सरकार बनने के बाद कांग्रेस प्रत्येक महिला को 15000 रू. प्रति वर्ष देगी। हम महिलाओं को सशक्त स्वावलंबी बनाना चाहते है हम महिलाओं के परिवार को समर्थ स्वस्थ और शिक्षित भी बनाना चाहते है। हमारे घोषणा पत्र में इसका उल्लेख है। हम उनको

सक्षम बनाने के लिये गृह लक्ष्मी योजना के साथ उनके खर्च में कटौती के लिये महतारी न्याय योजना में सस्ती गैस देंगे। उनके परिवारों को 10 लाख तक इलाज और उनके बच्चों के शिक्षा की व्यवस्था भी कांग्रेस की सरकार करेगी। हम महिला स्व सहायता समूह का कर्ज माफ कर महिलाओं को समर्थ बनायेंगे।

भाजपा ने फार्म भरवा कर कूड़े में फेकवा दिया यह माताओं, बहनों का अपमान-प्रदेश प्रभारी ने कहा कि हम भारतीय जनता पार्टी के द्वारा महिलाओं को अंधेरे में रखकर उनका मत हासिल करने के लिये फार्म भरवाने का षडयंत्र की निंदा करते है। भाजपा ने महिलाओं से फार्म भरवा कर उसे बेशर्मी पूर्वक कूडे कचरे में फेंक दिया। भाजपा का यह कृत्य महिलाओं के साथ असंवेदनशीलता है। उनकी भावनाओं से खेलना है साथ ही उनकी सुरक्षा के साथ भी खिलवाड़ है। महिलाओं का मोबाईल नंबर फार्म में भरवा रहे उसको कूड़े में फेक रहे कोई लफंगा या बदमाश किस्म का व्यक्ति उनके मोबाईल पर फोन कर तंग करेगा तो इसकी जिम्मेदारी भाजपा लेगी यह बेहद ही निदंनीय है।

उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी के नाम से भाजपाईयों ने माता बहनों से फार्म में उनकी निजी जानकारी मोबाईल नंबर, आधार कार्ड कुछ फार्म में उनका एकाउंट नंबर, घर का पता लेकर उसे सड़को और कचरे के ढेर में फेंक कर महिलाओं के निजता का हनन किया है उनके जीवन को मान सम्मान को खतरा में डाला है। महिलाओं के उक्त नंबर और आधार कार्ड का दुरूपयोग असमाजिक तत्व कर सकते है। महिलाओ को सावधान रहने की आवश्यकता है। भाजपा के नेता कार्यकर्ताओं के बहकावे में आकर अपनी निजी जानकारी उन्हें न दे। भाजपा का यह फार्म अवैधानिक है इसकी गारंटी नहीं है। महिलाओं की निजी जानकारी भी सुरक्षित नहीं है।

मोदी की गारंटी की कोई गारंटी नहीं-कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभी तक छत्तीसगढ़ में लगभग आधा दर्जन बार आये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दूसरे कार्यकाल को पूरा करने वाले है। 10 वर्ष पूरे होने में कुछ महिने ही बचे है लेकिन प्रधानमंत्री के पास बताने के लिये एक भी उपलब्धि नहीं है, जिसके आधार पर वह जनता से वोट मांगने का साहस दिखा पाये। उन्होंने कहा कि 2014 में जनता से जो वायदा किया था मोदी 10 साल में उसको पूरा नहीं कर पाये। न किसी के खाते में 15 लाख और न ही 100 दिन में महंगाई कम हुई, न किसानों की आय दुगुनी हुई और न ही हर साल 2 करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वायदा पूरा हुआ। अच्छा दिन का वायदा कर वोट लिया और जनता 200 रू. किलो में टमाटर, 100 रू. किलो में प्याज खरीदने को मजबूर हुई, 70 की राहर दाल 180 रू., 400 का सिलेंडर 1100 हो गया, ऐसे वायदाखिलाफी करने वाले मोदी जी छत्तीसगढ़ में वायदा निभाने की गारंटी दे रहे है। मोदी की गारंटी को भाजपाईयों ने कचरे के ढेर में फेंक दिया है। अभी मतदान हुआ नहीं है लेकिन भाजपा की धोखाबाजी का चरित्र का पर्दाफाश हो गया है जैसे 10 साल से मोदी सरकार देश की जनता को धोखा दे रही है। 15 साल तक रमन सरकार ने छत्तीसगढ़ की जनता को धोखा दिया था महिलायें सावधन रहें। भाजपा कभी भी महतारियों का सम्मान नहीं करती है बल्कि उन्हें हमेशा धोखा देती है।

जेसीसीजे के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत

रायपुर ››दैनन्दिनी.

लोरमी विधानसभा क्षेत्र में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है. जेसीसीजे के नेताओं ने भाजपा पर लोरमी से जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रत्याशी सागर सिंह ठाकुर (बैस) के विरुद्ध झूठे आरोप लगाकर पॉम्पलेट वितरित कर क्षेत्र में निष्पक्ष मतदान की प्रक्रिया प्रभावित करने का आरोप लगाया है. इसकी शिकायत जोगी कांग्रेस के प्रवक्ता भागवानू नायक और जिला अध्यक्ष संदीप यादव ने जिला निर्वाचन आयोग से की है और कड़ी कार्यवाही की मांग की है. जोगी कांग्रेस के प्रवक्ता भागवानू नायक ने बताया कि जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) छत्तीसगढ़ का एकमात्र मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय राजनीतिक दल है. इस दल से सागर सिंह ठाकुर उर्फ सागर बैस विधानसभा क्रमांक 26- लोरमी क्षेत्र से आसन्न विधानसभा चुनावों में प्रत्याशी है. भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ ने जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के प्रत्याशी सागर सिंह ठाकुर बेस के खिलाफ पैम्फलेट बंटवा रहा, जिसमें लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद हैं. नायक ने बताया पैम्फलेट में भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ ने सागर सिंह पर ?2.42 करोड़ का विस्थापन घोटाला करने, जुआ - सट्टा और गांजा तस्करी में शामिल होने, गौ तस्करी करने, सरकारी योजनाओं का लोगों को लाभ दिलाने के एवज में कमीशन लेने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं, जो पूर्ण निराधार और असत्य है. पैम्फलेट में स्पष्ट रूप से प्रकाशक का नाम भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़ और मुद्रक का नाम आशीष स्टेशनरी मार्ट, रायपुर इंगित है. भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़ द्वारा बेबुनियाद आरोप लगाकर जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रत्याशी के विरुद्ध पैम्फलेट बंटवाना आचार संहिता का उल्लंघन है. इससे क्षेत्र में निष्पक्ष चुनाव होने की प्रक्रिया प्रभावित होगी.

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस पर साधा निशाना

रायपुर ››दैनन्दिनी.

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान 17 नवंबर को होना है, उसके पहले राज्य में मुख्य दल बीजेपी और कांग्रेस के नेताओं के बीच तीखी बयानबाजियों का सिलसिला जारी है. इसी बीच केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राजधानी रायपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की, इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा. धर्मेंद्र प्रधान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत में बताया कि उन्हें राज्य में अब तक हुए सभी पांच चुनाव में कार्यकर्ता के नाते काम करने का अवसर मिला, पहले रायगढ़ में चुनाव अभियान में काम किया था और अब वे रायपुर आए है.

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि बीजेपी पीएम मोदी के नेतृत्व में महिला वर्ग को सबसे अधिक फोकस पर रखा है. बीजेपी सरकार की जिम्मेदारी महिला आधारित रचना रही है. हमारी सरकार बनने पर हम महतारी वंदन योजना के तहत 12 हजार रुपए बहनों के बैंक खाते में पहुंचेगा, कुल 42 हजार करोड़ रुपए

महिलाओं के बैंक खाते में पहुंचाएंगे. इसके साथ ही जिन ग़रीब लाभार्थियों का नाम आवास योजनाओं में आया है उन्हें घर भी दिलाएंगे. धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की विश्वसनीयता नहीं बची है. कांग्रेस ने कहा शराबबंदी करेंगे पर आज शराब ऑनलाइन मिल रही है, महिला उत्पीडन के मामलों में छत्तीसगढ़ सबसे ज्यादा है, राज्य की करीब एक लाख महिलाओं के लापता होने की सूचना है. कांग्रेस ने राज्य में वृद्धा पेंशन को 1500 रुपए करने का वादा किया था वह नहीं किया, महिला समूह के कर्ज माफी की बात कही लेकिन उन्होंने वह भी नहीं किया. भ्रष्टाचार कांग्रेस का प्रमुख एजेंडा है, कांग्रेस चुनाव अभियान में लोगों का आक्रोश देखकर डरी हुई है इसलिए आनन-फानन में घोषणाएं कर रही है. धर्मेंद्र प्रधान ने छत्तीसगढ़ियावाद पर कहा कि छत्तीसगढ़िया भाषा को रमन सरकार ने राज्य भाषा की उपाधि दी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति की योजना लाई गई ताकि यहां के नए पीढ़ी को मददगार हो जाएं. बीजेपी ने छत्तीसगसढ़ में अब तक हुए पांच चुनाव में से तीन चुनाव में सबके आशीर्वाद से सरकार बनाई है, इस बार भी भारी मतों से विजयी होकर छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार बनाएंगे.

लालगंगा पटवा भवन में महावीर निर्वाण कल्याणक महोत्सव का भव्य समापन

रायपुर ››दैनन्दिनी.

लालगंगा पटवा भवन में 13 नवंबर को प्रातः 5.25 बजे महावीर निर्वाण कल्याणक महोत्सव की शिखर आराधना प्रारंभ हुई। धर्मसभा ऐसी प्रतीत हो रही थी, मानो राजा हस्तिपाल की रजुकसभा, जहां प्रभु महावीर का परम और चरम समोशरण निर्मित हुआ था। भगवान महावीर ने अपने निर्वाण से पहले पावापुरी के राजा हस्तिपाल की रजुकसभा में 48 घंटों तक अपने अमृत वचनों की वर्षा की थी। परमात्मा की अंतिम देशना सुनने के लिए देवताओं के साथ इंद्र भी धरती पर उतरे थे। 18 राजा, हजारों साधु-साध्वियां और संसार के समस्त प्राणी इस सभा में उपस्थित थे। महावीर के निर्वाण के बाद इंद्रभूति गौतम को केवलज्ञान प्राप्त हुआ था और सुधर्मा स्वामी का पट्टारोहण। सोमवार को लालगंगा पटवा भवन में महावीर निर्वाण कल्याण महोत्सव के साथ गौतम स्वामी केवलज्ञान महोत्सव तथा सुधर्मा स्वामी के पट्टारोहण के साथ 21 दिवसीय उत्तराध्ययन श्रुतदेव आराधना और महावीर निर्वाण कल्याणक महोत्सव का भव्य समापन हुआ। उक्ताशय की जानकारी रायपुर श्रमण संघ के अध्यक्ष ललित पटवा ने दी।

उपाध्याय प्रवर प्रवीण ऋषि ने निर्वाण कल्याणक महोत्सव के शिखर दिवस धर्मसभा में उपस्थित श्रावकों से कहा कि कल्पना करें कि यह लालगंगा पटवा भवन पावापुरी के राजा हस्तिपाल की रजुकसभा है, जो अब प्रभु महावीर का चरम-परम समोशरण है, तीर्थ भूमि है। न फूलों की वर्षा है, नजर केवल प्रभु पर है। उस प्रभु के चरणों में वंदन करते हुए प्रभु की अनुत्तरदेशन का वरदान ग्रहण करते हुए प्रभु की परिनिर्वाण कल्याणक की अनुभूति करने के लिए उनसे आज्ञा ग्रहण करें कि प्रभु अपने सानिध्य में रहते हुए जो अनुभव भविजीवों ने किया, वही अनुभव आपके तीर्थंकर नामपुण्य से हमें हो। आपके परिनिर्वाण कल्याणक की आराधना करते हुए जैसे अनंत जीव मोक्ष को प्राप्त हुए, वैसे ही मार्गदर्शन हमें प्रदान करें। आपकी

कृपा से अनंत जीव मोक्ष मार्ग पर चल रहे हैं, हमें भी चलने की कृपा बरसाएं। स्वर्ग और मोक्ष का परम तत्व का मंगलकारी प्रकाशन करती प्रभु की दिव्या वाणी चल रही है। पूरा समोशरण पशु-पक्षी, देव-देवेंद्र, नर-नरेंद्र, श्रमण-श्रमणेन्द्र, प्रभु की दिव्या ध्वनि की समाधी में तन्मय हैं। आँख मुंदी हुई है सब की। केवल प्रभु के उस अमृत रस को पीते जा रहे हैं। उपाध्याय प्रवर ने कहा कि इंद्रभूति गौतम अश्वथ वृक्ष के नीचे देवशर्मा को लेकर आए, प्रभु चरणों में समर्पित करना है। राह में सूर्यास्त हो गया, पेड़ के नीचे आसन लगा लिया। अपने दिव्यज्ञान से इंद्रभूति गौतम निरंतर प्रभु के उन अनुत्तर स्पंदनों के साथ जुड़ रहे हैं, और उनकी अनुभूति कर रहे हैं। वाणी बरस रही है, प्रभु परम ध्यान में हैं, प्रभु ने अपने स्थूल मन के स्पंदनों को स्तब्ध कर दिया। इंद्रभूति गौतम स्पंदनों को महसूस करने का प्रयास कर रहे हैं, प्रभु ने अपनी वाणी के स्पंदनों को रोक दिया। वे प्रभु के मन को भी नहीं देखा पा रहे हैं। प्रभु की चेतना सिद्ध शिला पर पहुंच गई। सभा में सुधर्मा स्वामी ने आंख खोलकर देखा कि वाणी निरुद्ध क्यों है? प्रभु के तेजस और कर्मण शरीर पूरे विश्व में व्याप्त हो गए। औदारिक शरीर देखा सुधर्मा स्वामी ने, और नमन किया। इंद्रभूति गौतम तड़प उठे। और उसी समय उन्हें केवल ज्ञान प्राप्त हो गया। वे सभा में पहुंचे। सुधर्मा स्वामी इंद्रभूति गौतम की ओर बढ़ते हैं और कहते हैं कि प्रभु के स्थान पर आप विराजो, अब तुम ही कल्याण स्वरुप हो, अब तुम ही परमात्मा स्वरुप हो। इंद्रभूति गौतम ने परिषद् में कहा कि प्रभु के इस कार्य को कौन करेगा? सुधर्मा प्रभु के सूर्य प्रकाश को तुम विश्व में पहुंचाओगे, उनकी वाणी को संसार के समस्त प्राणियों तक पहुंचाओगे। तुम्हारे द्वारा ही विश्व प्रभु से जुड़ेगा। जहां महावीर का सिंहासन लगा हुआ था, सुधर्मा स्वामी जैसे ही उसके पास बैठने का प्रयास करते हैं, देवता उनके लिए एक सिंहासन बनाते हैं, उनके ऊपर चक्र धारण करते हैं इंद्र के उत्तराधिकारी के रूप में, और सुधर्मा स्वामी का अभिषेक करते हैं।

रायपुर श्रमण संघ के अध्यक्ष ललित पटवा ने अपने संबोधन में कहा आज के लाभार्थी स्वयं महावीर हैं। धर्मसभा में, परमात्मा के आँगन में स्थापित गौतमलब्धि पात्र में जो मेवे है, यही गुरुप्रसादि है और इससे कोई भी वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने महावीर निर्वाण कल्याणक समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया, जिनकी सहभागिता के चलते यह आयोजन इतना भव्य और ऐतिहासिक हुआ। उन्होंने सकल जैन समाज को इस आयोजन से जुड़ने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने अर्हम विज्जा की सोशल मीडिया टीम को भी धन्यवाद दिया। आज तेला का भी पारणा हुआ। शिखर दिवस के लाभार्थी हुकमचंद पटवा परिवार रहे।

लोन लेने के लिए ITR बनवाए मात्र 500/- रू. में

जी.एस.टी. रिटर्न	FOOD लायसेंस
इनकम TAX फाईल	MSME रजिस्ट्रेशन
TDS रिफन्ड	प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस	डिजिटल सिगनेचर

सम्पर्क- शेखर गुप्ता WWW.ONLYTDS.COM
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद करने हेतु तैयार
9300755544, 8878655544

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-**ब्रजेश शुक्ला** द्वारा आशीर्वाद, सी-255, रोहिणीपुरम रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्रा.लि.जयस्तंभ चौक रायपुर, (छ.ग.) से मुद्रित। फोन-0771-4059450, ईमेल- dainandini@yahoo.in, mail2dainandini@gmail.com